सांध्य दैनिक

4PM

किसी से किसी भी तरह की प्रतिस्पर्धा की आवश्यकता नहीं है। आप स्वयं में जैसे हैं एकदम सही हैं। खुद को स्वीकारिये।

-ओशो

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 9 ● अंकः 141 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 27 जून, 2023

सुतिर्था और अयहिका बनीं महिला... 7 | बड़ी कठिन है 24 की चुनावी... 3 | सपा को बदनाम करने का षड्यंत्र... 2

जयंत पर है भाजपा और कांग्रेस दोनों की निगाह

» बीजेपी ने मंत्री पद का दिया ऑफर

» कांग्रेस ने की यूपी-हरियाणा में सीटें देने की पेशकश

आराध्य त्रिपाठी/4पीएम न्यूज़

लखनऊ। राष्ट्रीय लोकदल के अध्यक्ष जयंत चौधरी पर कांग्रेस और भाजपा दोनों की निगाहें लगी हुई हैं। जयंत चौधरी सपा के साथ रहेंगे या फिर इन दोनों पार्टियों में से किसी के साथ। ये लोक सभा चुनावों से पहले ही पता चलेगा। लेकिन ये बात तय है कि अगर जयंत चौधरी मैं सपा का साथ छोड़ा तो फिर पश्चिमी उत्तर प्रदेश में नए राजनीतिक समीकरण बनते हुए नज़र आएंगे, और फिर पिछड़ी जातियों को एकजुट करने की मुहिम भी नए सिरे से तैयार होगी।

दरअसल पश्चिमी उत्तर प्रदेश में जाट समुदाय काफ़ी लोक सभा सीटों को प्रभावित करता है। वहां पर जयंत चौधरी जाटों के सर्वमान्य नेता बनकर उभरे हैं। अखिलेश यादव और उनके बीच कैमिस्ट्री काफी मजबूत भी दिखाई देती है। पिछला विधानसभा चुनाव भी अखिलेश और जयंत मिलकर ही लड़े थे और इस बार जयंत के महत्व को देखते हुए कांग्रेस और भाजपा दोनों उन पर डोरे डालने मे जुट गई है। सूत्रों के मुताबिक भाजपा ने उन्हें केंद्र में मंत्री बनने तक की पेशकश कर दी जबकि कांग्रेस ने यूपी के अलावा हरियाणा में भी जयंत को सम्मानजनक सीटें देने का वादा किया। अब देखना ये है की जयंत अखिलेश यादव के साथ ही रहते हैं या फिर भाजपा और कांग्रेस में किसी एक का दामन थामते है।

विपक्षी एकता के पक्ष में जयंत

रालोद प्रमुख जयंत चौधरी जहां 2022 के चुनाव में अखिलेश यादव के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चुनाव लड़ते हुए दिखाई दिए थे, वो जयंत अब सपा से खिंचे-खिंचे नजर आ रहे हैं, जयंत चौधरी ने पटना में विपक्ष की बैठक में भी हिस्सा नहीं लिया था, हालांकि उन्होंने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को लिखी चिट्ठी में इस बैठक के लिए शुभकामनाएं जरूर दी। उन्होंने इस बैठक का समर्थन भी किया और कहा कि वो पूर्व निर्धारित पारिवारिक कार्यक्रम की वजह से इस बैठक में शामिल नहीं हो पाएंगे।

बैठक से बनाई थी दूरी

23 जून को पटना में विपक्षी दलों का जमावड़ा लगा। उसमें विपक्ष के सभी दिग्गज नेता जुटे। यूपी का प्रतिनिधित्व सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने किया। प्रदेश के अन्य सियासी दलों ने इससे किनारा किया सबसे बड़ा चौकाने वाला निर्णय राज्य के प्रमुख दल राष्ट्रीय लोक दल के जयंत चौधरी का रहा वह इस महाबैठक में शामिल नहीं हुए। हालांकि उन्होंने इसमें शामिल न होने का कारण इसके पीछे पहले से तय कार्यक्रम को बताया था।

सियासी दल उठा सकते हैं लाभ

जयंत के इस फैसले से प्रदेश की राजनीति को करीब से देखने वालों का कहना है कि इससे उत्तर प्रदेश में विपक्षी एकता को नुकसान पहुंच सकता है। जानकारों का मानना कि जयंत का पश्चिमी उत्तर प्रदेश में अच्छा जनाधार है। खासतौर से जाटों के बीच वह एक लोकप्रिया नेता है। ऐसे में अगर वह सपा के साथ रहते हैं तो वहां पर जाट-ओबीसी-मुस्लिम वोटों की एकजुटता होगी इसका फायदा कई लोक सभा सीटों पर मिलेगा। भाजपा को झटका भी लगेगा। हालांकि कुछ विश्लेषकों का मानना है रालोद के अलग होने से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। सपा की पश्चिम के लोगों में बड़ी और मजबूत पैठ है। महाबैठक में बीजेपी के खिलाफ सभी दलों ने एकजुट होकर साझा रणनीति के तहत आगे बढ़ने का फैसला लिया है। ये सभी किस रणनीति के तहत आगे बढ़ेंगे इसके लिए अगली बैठक अब शिमला में होगी। उम्मीद की जा रही है शिमला में होने वाले बैठक से पहले कई और दल विपक्ष के साथ जुडेंगे और भाजपा को 24 के चुनाव में पटखनी देंगे।

निकाय चुनाव में सपा से बढ़ी थी तल्खी

जयंत चौधरी ने भले ही विपक्ष की बैठक में शामिल नहीं होने की वजह पहले से तय कार्यक्रम बताए लेकिन बावजूद इसके एक बार फिर सपा और रालोद के बीच टकराव को लेकर कयास लगने शुरू हो गए। दरअसल यूपी निकाय चुनाव के दौरान सपा और रालोद के बीच मतभेद उस वक्त खुलकर सामने आ गए थे जब सपा ने मेरठ सीट पर जयंत चौधरी से बात किए बिना ही सीमा प्रधान को अपना प्रत्याशी बना दिया था, इसके बाद कई सीटों पर सपा और रालोद दोनों दलों के प्रत्याशी आमने-सामने नजर आए। भले ही जयंत चौधरी ने अब तक सपा के खिलाफ सीधे तौर पर कोई बयान न दिया हो लेकिन पार्टी के कई नेता लगातार सपा पर सवाल उठा रहे हैं।

सीएम ममता के हेलीकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग

» कम दृश्यता की वजह से लिया फैसला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी के हेलीकॉप्टर की मंगलवार को सेवोके एयरबेस पर इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। लैंडिंग की वजह कम दृश्यता बताया जा रहा है।

मिली जानकारी के मुताबिक ममता बनर्जी जलपाईगुड़ी के क्रिन्टी में एक सार्वजनिक सभा को संबोधित करने के बाद बागडोगरा जा रही थीं। टीएमसी नेता राजीब बनर्जी का कहना है कि वह सुरक्षित हैं।

अतीक-अशरफ की बहन सुप्रीम चौखट पर

» हत्याकांड की स्वतंत्र जांच के लिए दायर की याचिका

» लगाया आरोप- हत्या में यूपी सरकार का हाथ

» भतीजे की मुठभेड़ में हत्या की भी जांच की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रयागराज में पुलिस कस्टडी में 15 अप्रैल की रात में गोलियों से भूने गए माफिया अतीक अहमद और अशरफ की हत्या के मामले में उसकी बहन आयशा नूरी ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। अतीक और अशरफ की बहन ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है।

आयशा नूरी ने आरोप लगाया है कि अतीक और अशरफ की हत्या में सरकार का हाथ है। उन्होंने कथित तौर पर एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश या एक स्वतंत्र एजेंसी की

ये है पूरा मामला

माफिया अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की 15 अप्रैल की रात को प्रयागराज के कॉल्विन हॉस्पिटल के बाहर पुलिस हिरासत में तीन हमलावरों ने गोलियां बरसाकर हत्या कर दी थी। अतीक और अशरफ पर हमला करने वाले तीनों हमलावर मीडियाकर्मी बनकर वहां पहुंचे थे। हत्याकांड के तीनों आरोपियों को पुलिस ने घटना स्थल से ही पकड़ लिया था। तीनों शूटरों की पहचान लवलेश तिवारी, अरुण मौर्य और सनी सिंह के रूप में हुई थी। तीनों कातिल जेल में बंद हैं।आपको बता दें कि 24 फरवरी को प्रयागराज में उमेश पाल की हत्या के बाद से ही माफिया अतीक अहमद गैंग यूपी एसटीएफ और पुलिस के निशाने पर था। लगातार अतीक से पूछताछ चल रही थी। साबरमती जेल से अतीक और बरेली जेल से अशरफ को प्रयागराज लाकर पुलिस पूछताछ में जुटी थी। 15 अप्रैल को पुलिस देर रात दोनों माफिया बंधुओं का मेडिकल चेकअप कराने के लिए अस्पताल लाई थी। अस्पताल के बाहर ही मीडियाकर्मी बन कर आए तीन हमलावरों ने दोनों भाइयों को गोली मार दी थी, दोनों की मौका ए वारदात पर ही मौत हो गई थी।

अध्यक्षता में व्यापक जांच की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। इसके साथ ही आयशा नूरी ने अपने भतीजे और अतीक अहमद के बेटे की मुठभेड़ में हत्या की भी जांच की मांग की। अतीक की बहन आयशा नूरी ने अधिवक्ता के जरिए से सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की है। याचिका में नूरी ने अपने दोनों भाई के कत्ल को कस्टडी में और एक्स्ट्रा जूडिशियल किलिंग करार दिया। याचिका में कहा है कि उच्चस्तरीय सरकारी एजेंटों के जरिए घटना की योजना बनाई गई। उन्होंने उसके परिवार के सदस्यों को मारने के लिए प्लान बनाया। पुलिस अफसरों को उप्र सरकार का पूरा समर्थन मिला है। प्रतिशोध के तहत सदस्यों को मारने, अपमानित करने, गिरफ्तार करने और परेशान करने के लिए पुलिस को पूरी छूट दी हुई है।

सपा को बदनाम करने का षड्यंत्र कर रही भाजपा

» अखिलेश बोले-मुकाबला करने के लिए तैयार रहें कार्यकर्ता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष व यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने कार्यकर्ताओं को भाजपा की साजिशों से सतर्क रहने को कहा है। उन्होंने अपने लोगों से कहा कि सपा को बदनाम करने के लए भाजपा षडयंत्र कर रही है। उन्होंने कार्यकताओं को सचेत किया है। उन्होंने कहा कि लोगों में भ्रम पैदा करने में भाजपा और आरएसएस माहिर है।

सपा नेतृत्व को बदनाम करने में भाजपा कोई कसर नहीं छोड़ती है। इसलिए एकजुटता के साथ भाजपाई साजिशों का मुकाबला करने के लिए सपा के कार्यकर्ताओं को तैयार रहना होगा। अखिलेश यादव ने कहा कि वर्ष 2024 का लोकसभा चुनाव आने वाली पीढ़ी के भविष्य का चुनाव है। बेरोजगारी, महंगाई और भ्रष्टाचार जैसी बड़ी समस्याएं है। भाजपा इनसे ध्यान भटकाकर इस बड़ी लड़ाई को कमजोर करना चाहती है। समाजवादी पार्टी भाजपा के मुकाबले के लिए तैयार है। समाजवादी पार्टी की नीतियों और विचारधारा पर लोगों का भरोसा है। सपा सरकार में हुए विकास कार्यों और उपलब्धियों को बस जन-जन तक पहुंचाना है। सपा मुख्यालय पर कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा जान बूझकर लोकतंत्र के साथ खिलवाड़ कर रही है। वह पिछड़ों, दलितों, अल्पसंख्यकों को संवैधानिक व्यवस्था से बाहर कर रही है। भाजपा सरकार भ्रष्टाचार में आकंठ डूबी हुई है। नफरत फैलाने की रणनीति को आगे बढ़ा रही है। भाजपा जातीय जनगणना की विरोधी है। सामाजिक न्याय के भी खिलाफ है।

सामाजिक न्याय के भी खिलाफ है सरकार

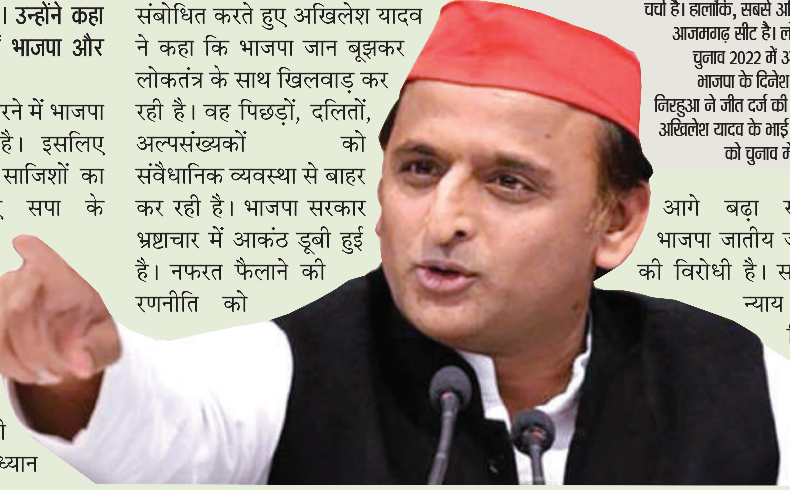

आजमगढ़ से चुनावी मैदान में उतर सकते हैं शिवपाल

शिवपाल यादव के आजमगढ़ से चुनावी मैदान में उतारने की चर्चा चल रही है। समाजवादी पार्टी समाजवादी गढ़ को अपने कब्जे में लेने की कोशिश में है। मुलायम सिंह यादव की विरासत को आगे बढ़ाने को लेकर लगातार विवाद होता रहा है। मैनपुरी से डिंपल यादव को चुनावी मैदान में उतारे जाने और उप चुनाव में शानदार जीत के बाद एक बार फिर उनके इसी सीट से ही चुनावी मैदान में उतारने की चर्चा है। हालांकि, सबसे अधिक चर्चा में आजमगढ़ सीट है। लोकसभा उप चुनाव 2022 में आजमगढ़ से भाजपा के दिनेश लाल यादव निरहुआ ने जीत दर्ज की थी। उन्होंने अखिलेश यादव के भाई धर्मेंद्र यादव को चुनाव में हराया था।

भारत जोड़ो यात्रा से कांग्रेस को मिलेगी बढ़त : नकुल दुबे

» बसपा के मंडल प्रभारी समेत कई नेता हुए कांग्रेसी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस प्रदेश कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में प्रांतीय अध्यक्ष पूर्व मंत्री नकुल दुबे ने कहा कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा से प्रभावित होकर हर वर्ग कांग्रेस की ओर बढ़ रहा है। सपा के मेरठ एवं सहारनपुर मंडल प्रभारी प्रवीन वरिष्ठ, लखनऊ के शिया कॉलेज के छात्र नेता तकी मेंहदी जैदी उर्फ फैजी ने समर्थकों के साथ कांग्रेस की सदस्यता ली।

सदस्यता लेने वालों में प्रमुख रूप से सैय्यद अली अहमद, मोहम्मद उबैद, मो. फरदीन, शुभम बाजपेयी, दानिश जैदी, मोहम्मद राहिल, अभिषेक गौतम, हामिद हुसैन, तरब रिजवी, मोहम्मद रिजवी, फैजान आब्दी, मोहसिन अब्बास, मोनिस आगा, मोहम्मद गाजी, मेराज हुसैन, शादाब हुसैन, शफात हुसैन आदि शामिल थे।

अवध व पूर्वांचल में शुरू होगा भारत जोड़ो बुनकर सम्मेलन

कांग्रेस ने अल्पसंख्यकों को जोड़ने की मुहिम शुरू कर दी है। चाय पर चर्चा के बाद अब जुलाई में भारत जोड़ो बुनकर सम्मेलन आयोजित करने की तैयारी है। इसके जरिए बुनकरों की बदहाली का मुद्दा उठाया जाएगा। यूपीए सरकार में बुनकरों को दी गईं सहूलियतों से भी वाकिफ कराया जाएगा। सम्मेलन के जरिए खासतौर से अवध और पूर्वांचल में वोटबैंक बढ़ाने की कवायद की जाएगी। सम्मेलन में बुनकरों के पते और मोबाइल नंबर भी इकट्ठा किए जाएंगे, ताकि उन तक निरंतर पार्टी की पहुंच बनी रही। प्रदेश में गोरखपुर, मऊ, आजमगढ़, अंबेडकरनगर, मेरठ, मिर्जापुर, भदोही, चंदौली, वाराणसी, बस्ती, महराजगंज, देवरिया, संतकबीरनगर, सिद्धार्थनगर सहित विभिन्न जिलों में क्षेत्रवार बुनकरों की अच्छी आबादी है। भाजपा पसमांदा मुस्लिमों को जोड़ने के लिए विभिन्न कार्यक्रम कर रही है। ऐसे में कांग्रेस ने बुनकर सम्मेलन की रणनीति बनाई है। 15 जुलाई के बाद वाराणसी या मऊ से इसकी शुरुआत की जाएगी। इन सम्मेलनों में बुनकरों की बदहाली का मुद्दा उठाया जाएगा। उन्हें यह भी बताया जाएगा कि कांग्रेस ही अल्पसंख्यकों की लड़ाई लड़ सकती है। उन्हें वर्तमान में धागे पर लगे जीएसटी सहित विभिन्न तरह की कर वृद्धि से बुनकरों को होने वाले नुकसान से भी वाकिफ कराया जाएगा।

बीजेपी नेताओं का दोहरा चरित्र उजागर : कांग्रेस

वायरल वीडियो में 46 हजार करोड़ देने की बात पर घिरे शेखावत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। ईआरसीपी को लेकर प्रदेश का सियासी पारा गरमा गया है। राज्य और केंद्र सरकार के बीच इस प्रोजेक्ट को लेकर जुबानी हमला होता रहा है। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने पर कांग्रेस ने सवाल खड़े करते हुए कहा कि ये बीजेपी नेताओं के दोहरे चरित्र को उजागर करता है। ईआरसीपी का मुद्दा एक बार फिर सुर्खियों में है।

इस बार ये मुद्दा सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो को लेकर चर्चा में आया है। वीडियो में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत कह रहे हैं कि 46 हजार करोड़ रुपये दे दूंगा, राज बना दो। इस दौरान राजेंद्र राठौड़ यानी नेता प्रतिपक्ष भी यहां मौजूद दिखे।

राजेंद्र राठौड़ का राज लाओ

स्थानीय नेता के ईआरसीपी की मांग पर जवाब देते हुए मंत्री ने जवाब दिया था। दरअसल वायरल वीडियो रविवार को सवाई माधोपुर में सर्किट हाउस में स्थानीय नेताओं से मुलाकात के वक्त का बताया जा रहा है, जिसमें एक स्थानीय नेता ने केंद्रीय मंत्री से पूर्वी राजस्थान में ERCP प्रोजेक्ट की आवश्यकता का जिक्र किया। इस पर केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत यह कहते हुए दिखे कि राजेंद्र राठौड़ का राज लाओ और 46 हजार करोड़ ले जाओ।

हद में रहें ओवैसी, यहां उद्धव सरकार नहीं

» नवनीत राणा बोलीं- औरंगजेब नहीं महाराष्ट्र में चलेंगे शिवाजी के विचार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। सांसद नवनीत राणा ने ओवैसी पर निशाना साधा है, राणा ने एआईएमआईएम प्रमुख को चेतावनी देते हुए कहा है, महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे की सरकार नहीं है। इसलिए आपके नारे-भड़काऊ भाषण नहीं सुने जायेंगे। ओवैसी को हद में रहना चाहिए। सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने हाल ही में बुलढाणा में एक सार्वजनिक बैठक की थी।

सोशल मीडिया पर दावा किया गया है कि इस बैठक में कथित तौर पर औरंगजेब के नाम पर नारे लगाए गए। इस पर विभिन्न राजनीतिक नेताओं ने प्रतिक्रिया दी है और

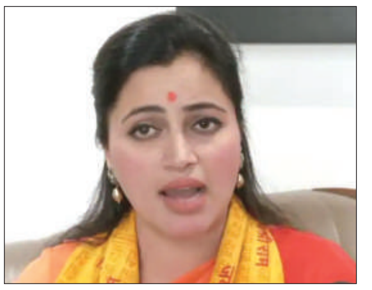

औरंगजेब के नाम पर दिए गए नारों की निंदा की है। संबंधित वीडियो में नवनीत राणा ने कहा, कि असदुद्दीन औवेसी पिछले कुछ दिनों से लगातार महाराष्ट्र आ रहे हैं। कभी औरंगजेब के नाम पर नारे लगाते हैं तो कभी मंच पर खड़े होकर भड़काऊ भाषण देते हैं। लेकिन ओवैसी को एक बात ध्यान रखनी चाहिए। महाराष्ट्र में छत्रपति शिवाजी महाराज के विचार चलते हैं। उन्हें याद रखना चाहिए कि औवेसी के भड़काऊ भाषण और औरंगजेब के नारे यहां नहीं चलेंगे और तभी उन्हें महाराष्ट्र आने की हिम्मत करनी चाहिए।

औरंगजेब के नाम पर कोई नारे नहीं लगाए : ओवैसी

असदुद्दीन ओवैसी ने खुद बताया है कि बुलढाणा की सभा में औरंगजेब के नाम पर कोई नारे नहीं लगाए गए। उन्होंने इस बात की भी आलोचना की कि मीडिया के जरिए फर्जी खबरें फैलाई जा रही हैं और मुसलमानों से नफरत की जा रही है। ओवैसी की सफाई के बाद भी विवाद थम नहीं रहा है।

केंद्र सरकार की वजह से बढ़ा बिजली शुल्क

» आतिशी बोलीं- कोयले के दामों को बढ़ाने का हुआ असर

» भाजपा व कांग्रेस ने ठीकरा दिल्ली सरकार पर फोड़ा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में बिजली महंगी होने जा रही है। इस पर हल्ला शुरू होगया है। दिल्ली मंत्री आतिशी ने केंद्र की मोदी सरकार को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया है। साथ ही कहा कि जिन लोगों के बिजली के बिल जीरो आ रहे हैं, उनके बिल जीरो आते रहेंगे। बीएसईएस की अर्जी को मंजूरी देते हुए पॉवर परचेज एग्रीमेंट के आधार पर 10 फीसदी दर बढ़ाने की इजाजत दी है।

उन्होंने कहा कि दिल्ली में बिजली बिल बढ़ाने के लिए सिर्फ केंद्र सरकार का मिस्मैनेजमेंट जिम्मेदार है और कोयले के दामों को बढ़ाया गया है। भारत में कोयले की कोई कमी नहीं है। फिर क्यों कोयले के दामों को बढ़ाया गया है। क्यों बिजली बनाने वाली कंपनियों पर महंगा कोयला खरीदने का दबाव बनाया जा रहा है। वहीं बिजली दरों के बढ़ने के बाद सियासत भी तेज हो गई है। भाजपा व कांग्रेस का इसका ठीकरा दिल्ली सरकार पर फोड़ा है। दूसरी तरफ सबसे कम अधिभार करीब 1.5 फीसदी टाटा पावर-डीडीएल क्षेत्र के लोगों पर पड़ेगा। इस क्षेत्र के उपभोक्ता को पीपीएसी 27.64 फीसदी की जगह 29.13 फीसदी देनी होगी। इसमें करीब 1.49 फीसदी की बढ़त है। इसके अलावा बीएसईएस राजधानी पावर लिमिटेड क्षेत्र में पीपीएसी 6.39 फीसदी और नई दिल्ली नगर परिषद (एनडीएमसी) क्षेत्र में पीपीएसी 2 फीसदी तक बढ़ा दिया है।

200 यूनिट फ्री वाले उपभोक्ताओं पर नहीं पड़ेगा असर

नई बसें लाने का मिल रहा सिर्फ झूठा आश्वासन : बिधूड़ी

राजधानी दिल्ली में सार्वजनिक बसों की कमी को लेकर प्रदेश भाजपा ने चिंता जाहिर की है। विधानसभा नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा है कि आने वाले दिनों में राजधानी में लोग बे-बस हो जाएंगे। तर्क दिया है कि डीटीसी के बेड़े से इस साल 650 बसें हटने वाली हैं। क्लस्टर बसों को मिलाकर यह संख्या एक हजार के पार चली जाएगी। दिल्ली सरकार के पास नई बसें लाने का सिर्फ झूठा आश्वासन पिछले कई साल से मिल रहा है। 100 इलेक्ट्रिक बसें आई हैं लेकिन खराबी के कारण वे भी मायापुरी डिपो में एक महीने से भी ज्यादा समय से धूल फांक रही हैं। बिधड़ी ने कहा कि राजधानी में इस समय कम से कम 12 हजार बसों की जरूरत है लेकिन आम आदमी पार्टी की अदूरदर्शिता और लापरवाही का नतीजा है कि पिछले आठ सालों में नई बसें लाने का कोई इंतजाम नहीं किया गया।

बड़ी कठिन है 24 की चुनावी डगर

कांग्रेस बनाएगी नई रणनीति

- » विपक्ष के अन्य दल भी बढ़ाएंगे अपनी अहमियत
- » अन्य दलों के तेवर भी करेंगे प्रभावित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बिहार की धरती से गांधी जी ने पूर्वी चंपारण जिले से अंग्रेजों के खिलाफ आजादी की लड़ाई का विगुल फूंका था, तो इसी धरती से जय प्रकाश नारायण ने 1975 में समग्र क्रांति का नारा देकर तत्कालीन इन्दरा सरकार की चूले हिला दी थीं। अब एकबार फिर ये धरती नई ईबारत लिख सकती है। अबकी बार यहां से वर्तमान सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए नीतीश कुमार के नेतृत्व में भाजपा विरोधी लगभग सभी दल एकजुट हो चुके हैं। 23 जून को इस पर चर्चा हुई और आगे शिमला में इसी पर एकबार फिर सारे दल बैठेंगे। इस बीच सूत्रों से जानकारी मिल रही है कि कांग्रेस सभी सहयोगियों के मुद्दों पर विचार के लिए अपनी पार्टी स्तर पर चर्चा करेगी। बिहार सत्याग्रह की भूमि रही है। इस धरती ने देश के राजनीतिक इतिहास को प्रभावित किया। ममता बनर्जी ने ठीक ही कहा कि बिहार से जो जनआंदोलन शुरू होता है, वह सफल होता है। चंपारण सत्याग्रह एक जन आंदोलन था। हालांकि 24 की राह सत्ता व विपक्ष दोनों के लिए आसान होने वाली नही है।

पटना में विपक्षी एकता की बैठक संपन्न हो चुकी है। पहली नजर में यह एक सफल बैठक नजर आती है लेकिन इसके कुछ विरोधाभास भी हैं। संभव है कि शिमला में जब विपक्षी एकता की अगली बैठक हो, तो यह विरोधाभास कुछ अधिक नजर आए। क्योंकि पाटलिपुत्र और शिमला के तापमान में सब दिन अंतर रहा है और आज भी यह अंतर बना हुआ है। ममता बनर्जी ने विपक्षी एकता के लिए अपने निजी महत्वाकांक्षाओं को त्याग करने का आह्वान किया। लेकिन उन्होंने विपक्षी एकता की महत्वपूर्ण धुरी कांग्रेस की भूमिका पर सवाल भी उठाए। उनके हिसाब से बंगाल में कांग्रेस की भूमिका सही नहीं है। ऐसे में निजी हत्वाकांक्षाओं को त्याग करने का उनका आह्वान कितना सार्थक हो पाएगा यह भी शिमला में होने वाली बैठक में साफ हो जाएगा। वैसे ममता ने यह ठीक ही कहा है कि विपक्षी एकता के लिए निजी महत्वाकांक्षाओं को त्यागना होगा।

सरकार के खिलाफ करना होगा जन आंदोलन

चंपारण सत्याग्रह हो या जेपी क्रांति, यह सिर्फ सत्ता प्राप्ति के लिए किया गया जन आंदोलन नहीं था। इसने सामाजिक परिवर्तन लाने का भी काम किया। विपक्षी एकता की बैठक में शामिल होने पटना आए तमाम दिग्गज नेताओं को चंपारण सत्याग्रह और जेपी क्रांति की याद आई। बिहार हमेशा प्रतिरोध की आवाज का एक केंद्र रहा है। सत्ता भले ही बिहार को भूल जाए लेकिन सत्ता विरोधी कभी बिहार को नहीं भूलते। लेकिन विडंबना यही है कि सत्ता विरोधी भी जब सत्ता में शामिल होते हैं तो बिहार को भूल जाते हैं। विपक्षी एकता की बैठक के बाद भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने बड़ा कड़वा बयान दिया। उन्होंने कहा कि यह ठग ऑफ गठबंधन है। यह गठबंधन पूरे देश को मूर्ख बनाने का प्रयास कर रहा है। सभी भ्रष्टाचारी हैं। नीतीश कुमार को अपने भ्रष्टाचार का मॉडल दिखाना चाहिए। इन्हें पता नहीं कि पीएम का चेहरा कौन है। सभी के मन में लड्डू फूट रहे हैं। सभी पीएम बनने का सपना देख रहे हैं। एक-दूसरे को टोपी पहना रहे हैं।

बिहार में भाजपा की गुटबाजी का मिल सकता है लाभ

सम्राट चौधरी के भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद बाहरी और भीतरी के मुद्दे पर पार्टी कई गुटों में बंटी हुई नजर आ रही है और एक गुट दूसरे गुट को पटखनी देने की हर संभव कोशिशें कर रहा है। बिहार में पिछली बार की तरह शानदार जीत के लिए भाजपा को इस विरोधाभास को दूर करना होगा।

केजरीवाल- महबूबा-अखिलेश के अपने-अपने सवाल

विपक्षी एकता की बैठक में पीडीपी ने कश्मीर से धारा 370 खत्म करने के मामले में 'आप' और अरविंद केजरीवाल से अपना स्टैंड क्लीयर करने को कहा। जबकि ममता ने पश्चिम बंगाल में कांग्रेस की भूमिका पर सवाल उठाए। वहीं अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली अध्यादेश के मुद्दे पर कांग्रेस से अपना रुख साफ करने को कहा है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने क्षेत्रीय नेताओं को राज्यों में नेतृत्व देने की मांग की। ऐसे में यह सवाल उठना लाजिमी है कि अगर इन मुद्दों पर बात नहीं बनी तो सभी दल एकजुट होकर 2024 में चुनाव लड़ेंगे कैसे? विपक्षी एकता की बैठक से पहले 'हम' के जीतन राम मांझी एनडीए का दामन थाम चुके हैं। हालांकि जीतन राम मांझी के एनडीए में शामिल होने से न तो एनडीए मजबूत हो रहा है और न ही विपक्षियों के वोट बैंक पर इसका कोई असर पड़ता हुआ मुझे नजर आ रहा है। हाँ, लेकिन बिहार के दलित-महादलित समुदाय में एनडीए के प्रति माहौल बनाने में मांझी जरूर कारगर साबित हो सकते हैं। दलितों और महादलितों को लुभाने के लिए भाजपा के मयान में कई तलवारें हैं।

महत्वाकांक्षाओं को रखना होगा परे

जदयू सहित अन्य छोटे-छोटे दल जो आज नीतीश कुमार को महागठबंधन का संयोजक बनाने पर सहमत हैं, उनके मन में आज भी इस बात के लड्डू फूट रहे हैं कि नीतीश पीएम मेटेरियल हैं। दूसरी ओर कांग्रेस है जो राहुल गांधी के अलावा शायद ही किसी अन्य को पीएम बनाने पर सहमत हो। असल में ममता दीदी जिस महत्वाकांक्षा की बात कर रही हैं, उस महत्वाकांक्षा के शिकार महागठबंधन में शामिल तमाम नेता हैं। चुनाव आने तक लाखा प्रयासों के बावजूद इन महत्वाकांक्षाओं की आपसी टकराहट भी नजर आएगी। क्योंकि जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आएगा, वैसे-वैसे ये महत्वाकांक्षाएं भी जोर मारने लगेंगी। ऐसे में संभव है कि कोई पीछे से खंजर भोंके तो कोई सामने से बंदूक ताने।

कांग्रेस शासित राज्यों में भाजपा सरकार लगा रही अड़ंगा: जयराम

वही कांग्रेस के राज्यसभा सांसद जयराम रमेश कहते हैं कि भारतीय जनता पार्टी कर्नाटक में चुनाव हारने के बाद कांग्रेस की ओर से जनता को किए गए वायदों को पूरा करने में कई तरह की अड़चनें लगानी शुरू कर दी है। इसमें कर्नाटक के लोगों को अन्न भाग्य योजना के तहत लाखों लोगों को मिलने वाले लाभ से रोकने की साजिश की जा रही है। पार्टी से जुड़े सूत्रों का कहना है कि इस मामले में भी बैठक कर आगे की पूरी रणनीति तय की जानी है।

कांग्रेस में सीटों पर भी होगी चर्चा

कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक इस बैठक में शिमला में आयोजित गठबंधन के दलों की अगली बैठक का भी एक रोडमैप में तैयार किए जाने का अनुमान है। इस पूरे मामले में शाम की बैठक में और किन मुद्दों पर चर्चा होगी इसको लेकर तो पार्टी के नेताओं ने खुलकर कोई बात नहीं की, लेकिन यह जरूर कहा कि कांग्रेस की सीटों के समझौते को लेकर भी जरूर चर्चा करेगी। पार्टी से जुड़े सूत्रों का कहना है कि पटना में हुई बैठक के बात सबसे ज्यादा चर्चा कांग्रेस की सीटों को लेकर के की जा रही है। पार्टी के नेताओं के मुताबिक पार्टी किस राज्य में कितनी सीटों के साथ अपने मजबूत तैयारी करेगी उसको लेकर के भी चर्चाएं की जानी हैं।

क्या होगा नाम-यूपीए या पीडीए

लंबे समय से कांग्रेस गठबंधन की सरकारें यूपीए के नाम से ही जानी जाती रहीं हैं। वह कहते हैं कि यूपीए का नाम बदलकर पीडीए किए जाने को लेकर एक महत्वपूर्ण चर्चा पार्टी के नेताओं के भीतर लगातार हो रही है। पार्टी के वरिष्ठ नेता कहते हैं कि यूपीए-1 और यूपीए-2 की सरकारों के बाद पीडीए को लेकर पार्टी के नेताओं में थोड़ी असहजता जरूर देखी जा रही है। हालांकि, पार्टी से जुड़े सूत्रों का कहना है कि राहुल गांधी की ओर से न सिर्फ गठबंधन बल्कि पीडीए को लेकर के भी समर्थन में सहमति जताई गई है। ऐसे में कांग्रेस पार्टी के भीतर सहयोगी गठबंधन के नए नाम को लेकर होने वाली चर्चा विशेष मायने नहीं रखती है। बावजूद इसके होने वाली बैठक में इसको लेकर बातचीत अवश्य की जाएगी।

कैसा होगा गठबंधन इसका पूरा रोड मैप बनाएगी कांग्रेस

प्रमुख विपक्षी पार्टियों के साथ होने वाले गठबंधन को लेकर कांग्रेस के भीतर की बैठकों का दौर जारी है। बैठक में पार्टी की रणनीति तय करने वाले वरिष्ठ नेता शामिल होंगे। पार्टी से जुड़े सूत्रों के मुताबिक बैठक में यूपीए के बदले जाने वाले नाम के साथ साथ आगे के सियासी रणनीतियों पर विचार किया जाएगा। कांग्रेस पार्टी से जुड़े सूत्रों का कहना है कि पटना में हुई बैठक के बाद पार्टी अभी इस रणनीति के साथ आगे बढ़ रही है कि किन मुद्दों के साथ गठबंधन की नई रणनीति का पूरा रोड मैप आगे बनाया जाए।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

शहरीकरण की वजह से बार-बार आती है बाढ़

> बाढ़ की सबसे बड़ी वजह तेजी से शहरीकरण और भूमि के इस्तेमाल में बदलाव को बताया गया है। रिसर्च के मुताबिक मुसी के आसपास के इलाके बाढ़ की जद में आते हैं। इनमें दार-उल-शिफा, अफजल नगर, भोलाकपुर, शालीबंदा, हसन नगर और अंबरपेट के साथ ही चारमीनार और हुसैनसागर के आसपास के क्षेत्र 5 फीसदी उच्च जोखिम वाले हैं।

शहरों में बारिश के बाद बार-बार बाढ़ आने की खबरें आना आम बात है। अब एक शोध में ये बात सामने आई है कि तेजी से शहरीकरण ,जमीन के उपयोग में बदलाव के चलते ऐसा देखने को मिल रहा है। ये रिसर्च हैदराबाद पर हुए शोध में निकलकर सामने आई है। पिछले कई सालों में भारत के कई बड़े शहरों जैसे मुंबई, बंगलुरू, हैदराबाद, पटना ,दिल्ली में बंपर बाढ़ आई है। उसके बाद कई राज्य सरकारों ने इन समस्याओं को दूर करने के लिए कमेटियां बनाई थी। उसके बाद रिसर्च में यह सच निकलकर सामने आया है। एक रिपोर्ट हैदराबाद पर विशेषज्ञों ने दी है। ये रिपोर्ट कमोवेश सारे शहरों पर लागू होती है। उसके मुताबिक हैदराबाद का करीब 5 फीसदी हिस्सा बाढ़ के ज्यादा खतरे, 93 फीसदी मध्यम और महज 2 फीसदी कम जोखिम का सामना करता है। बाढ़ की सबसे बड़ी वजह तेजी से शहरीकरण और भूमि के इस्तेमाल में बदलाव को बताया गया है। रिसर्च के मुताबिक मुसी के आसपास के इलाके बाढ़ की जद में आते हैं। इनमें दार-उल-शिफा, अफजल नगर, भोलाकपुर, शालीबंदा, हसन नगर और अंबरपेट के साथ ही चारमीनार और हुसैनसागर के आसपास के क्षेत्र 5 फीसदी उच्च जोखिम वाले हैं।

वहीं ज्यादातक कम जोखिम वाले क्षेत्र की बात करें तो ये सभी जुबली हिल्स के पास हैं। हैदराबाद में 2019 में सबसे खतरनाक बाढ़ आने के बाद 2020 में इस बात का अध्ययन किया गया था। दरअसल पहले हैदराबाद में बाढ़ का खतरा नहीं था। लेकिन अब तेजी से शहर में बाढ़ देखने को मिल रही है। इस भू-स्थानिक अध्ययन से पता चलता है कि अधिकांश क्षेत्र इसके लिए अतिसंवेदनशील थे। बाढ़ के लिए किसी क्षेत्र की संवेदनशीलता की जांच करने के लिए रिसर्च में ऊंचाई, ढलान, प्रवाह संचय, जल निकासी घनत्व, मिट्टी के प्रकार, वार्षिक वर्षा, भूमि उपयोग भूमि कवर जैसे 12-14 मापदंडों का उपयोग किया गया। अध्ययन में कहा गया कि, बाढ़ की घटनाओं के लिए सबसे प्रभावशाली कारक ढलान, जल निकासी पैटर्न और एलयूएलसी हैं। मिट्टी और बारिश की स्थिति ने भी भूमिका निभाई। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ हाइड्रोलॉजी साइंस एंड टेक्नोलॉजी में प्रकाशित अध्ययन में पाया गया कि मुसी के पूर्वी हिस्सों के पास जल निकासी घनत्व में बाढ़ का अत्यधिक खतरा है। कुछ हिस्सों में पेड़ो की कटान और हरियाली हटकर शहरीकरण की ओर तेजी से प्रगति देखी गई है, जो भूमि उपयोग और भूमि कवर में बदलाव को दर्शाता है, जिसके चलते बाढ़ बढ़ गई। इसके अलावा, हमने पाया कि जल निकासी नेटवर्क नदी के पास के क्षेत्रों में प्रभावी नहीं है, जो ज्यादातर उचित बुनियादी ढांचे के बिना मलिन बस्तियां हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

मुक्ति के लिए जन-केंद्रित सोच की आवश्यकता

बंडारू दत्तात्रेय

नशीली दवाओं के दुरुपयोग की समस्या वैश्विक स्तर पर भयानक रूप से फैल चुकी है। इस वर्ष के विश्व मादक पदार्थ निषेध दिवस का विषय 'पीपुल फर्स्ट- कलंक और भेदभाव को रोकें, रोकथाम बढ़ाएं' पूरी तरह उपयुक्त है। यह कटु वास्तविकता है कि नशीली दवाओं के दुरुपयोग से पीड़ित व्यक्ति को पारिवारिक व सामाजिक अलगाव और लोगों की उपेक्षा का सामना करना पड़ता है। इससे उन्हें बहुत मानसिक और शारीरिक कष्ट पहुंचता है। वे आवश्यक मदद से वंचित रह जाते हैं। उनका और उनके परिवारों का जीवन दयनीय बन जाता है। इसलिए, नशीली दवाओं से छुटकारा पाने की नीतियों के लिए जन-केंद्रित सोच की आवश्यकता है, जो मानवाधिकारों और करुणा पर लक्षित हो। नशीली दवाओं के दुरुपयोग के पीड़ितों की सामाजिक और भावनात्मक उपचार के साथ मदद करना और साथ ही नशीली दवाओं व इनकी तस्करी के बढ़ते जाल के बारे में प्रभावी कदम उठाना बड़ा मुश्किल काम है। देश को नशीली दवाओं के दुरुपयोग से मुक्त कराने का लक्ष्य प्राप्त करने को सामूहिक प्रयासों और समग्र दृष्टिकोण की आवश्यकता है।

इस वर्ष का विश्व ड्रग निषेध दिवस, मादक पदार्थों का उपयोग करने वाले लोगों व उनके परिवारों पर लगने वाले कलंक और भेदभाव के नकारात्मक प्रभाव के बारे में जागरूकता बढ़ाने, ड्रग्स का उपयोग करने वाले लोगों में एड्स और हेपेटाइटिस बीमारी के बारे में जागरूकता बढ़ाने, इन रोगों के रोकथाम कार्यक्रमों का विस्तार करने पर केंद्रित है। इनमें ड्रग्स का उपयोग करने वाले लोगों के लिए साक्ष्य-आधारित, स्वैच्छिक सेवाओं को बढ़ावा देना; नशीली दवाओं के उपयोग के विकारों, उपलब्ध उपचारों, शीघ्र हस्तक्षेप और सहायता के महत्व के बारे में शिक्षित करना; समुदाय-आधारित उपचार और सेवाओं के लिए कारावास के विकल्पों का समर्थन; भाषा और व्यवहार को बढ़ावा देकर नशे से जुड़े कलंक और भेदभाव का मुकाबला करना शामिल है। आइए, वैश्विक स्तर पर नशीली दवाओं के दुरुपयोग की भयावहता पर नजर डालें।

यूएन ऑफिस ऑन ड्रग्स एंड क्राइम (यूएनओडीसी) की वर्ल्ड ड्रग रिपोर्ट-2022 के अनुसार, 2020 में दुनिया भर में 15-64 आयु वर्ग के लगभग 28.40 करोड़ लोग नशीली दवाओं का उपयोग कर रहे थे, जो पिछले दशक की तुलना में 26 प्रतिशत अधिक है। इस रिपोर्ट के अनुसार, कई देशों में इनका उपयोग पिछली पीढ़ी की तुलना में बढ़ गया है। रिपोर्ट के

मुताबिक, दुनियाभर में 1.12 करोड़ लोग ड्रग्स के इंजेक्शन का उपयोग कर रहे थे। इस संख्या का लगभग आधा हिस्सा हेपेटाइटिस सी से पीड़ित था, 14 लाख एचआईवी से ग्रस्त थे, और 12 लाख ऐसे हैं जो दोनों समस्याओं से पीड़ित थे। साल 2018 के दौरान एम्स नेशनल ड्रग डिपेंडेंस ट्रीटमेंट सेंटर गाजियाबाद द्वारा आयोजित सर्वेक्षण से पता चलता है कि भारत में मादक पदार्थों के उपयोग और रुझान के अनुसार, 10-17 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों और किशोरों में शराब, भांग, अफीम, इनहेलेंट, कोकीन आदि दवाओं का सेवन 6.06 प्रतिशत है जबकि 18 से 75 वर्ष की आयु के 24.71 प्रतिशत वयस्क इसमें लिप्त पाए गए। दरअसल नशीली दवाओं के दुरुपयोग को रोकने और उन्हें इनके दलदल से बाहर निकालने में मदद करने की जिम्मेदारी हम सब की है। सामाजिक न्याय और आधिकारिता मंत्रालय के अंतर्गत भारत सरकार नशीली दवाओं की मांग में कमी के लिए राष्ट्रीय कार्य योजना (एनएपीडीडीआर) के अनुसार एक योजना लागू कर रही है, जिसके अंतर्गत निवारक शिक्षा और जागरूकता सृजन, क्षमता निर्माण, कौशल विकास के लिए राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। नशीली दवाओं के व्यसन से पीड़ितों के लिए विकास और व्यावसायिक प्रशिक्षण और आजीविका में सहयोग हेतु 2020-21 के दौरान एनएपीडीडीआर के तहत 285590 लाभार्थी थे। इसी तरह, नशा मुक्त भारत अभियान (एनएमबीए) अगस्त 2020 में शुरू किया गया था, जिसके तहत महिलाओं, बच्चों, शैक्षणिक संस्थानों, नागरिक संगठनों आदि हितधारकों की भागीदारी पर जोर दिया गया है, जो प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से मादक पदार्थों के उपयोग से प्रभावित हो सकते हैं। अब तक जमीनी स्तर पर की गई विभिन्न गतिविधियों के जरिये 12 करोड़ से अधिक लोगों तक पहुंचा जा चुका है। चार हजार से अधिक युवा मंडल, नेहरू युवा केंद्र (एनवाईके) और एनएसएस स्वयंसेवक भी नशा मुक्त भारत अभियान से जुड़े हैं।

आंगनवाड़ी केंद्रों और आशा कार्यकर्ताओं, एएनएम, महिला मंडलों और महिला स्व-सहायता समूहों के माध्यम से एक बड़े समुदाय तक पहुंचने में 2.05 करोड़ से अधिक महिलाओं का योगदान भी महत्वपूर्ण है। हरियाणा में केवल लाइसेंस प्राप्त करके ही नशामुक्ति केन्द्रों का संचालन करने के कानूनी प्रावधान लागू हैं।

क्रिकेट और खिलाड़ियों की गरिमा में संतुलन जरूरी

गुरबचन जगत

कुछ ही दिन हुए हैं जब आईसीसी विश्व टेस्ट मैच प्रतियोगिता का फाइनल मैच भारत के 'अरबपति क्रिकेटरों' और ऑस्ट्रेलिया के व्यावसायिक खिलाड़ियों की टीमों के बीच हुआ, ऐसा कहने के लिए क्षमा चाहूंगा। ऑस्ट्रेलियाइयों ने थके और पस्त भारतीयों को बड़े अंतर से धो डाला। जहां भारतीय टीम के अधिकांश खिलाड़ी लगभग तीन महीने चली आईपीएल प्रतियोगिता खेलकर आए थे वहीं ऑस्ट्रेलियाई टीम में दो ही खिलाड़ी थे, जिन्होंने आईपीएल में भाग लिया था। मैंने लेख का आरंभ अंतिम दृश्यावली से किया जबकि शुरुआत आरंभ से होनी चाहिए थी अर्थात जब 1950 के दशक से मेरी यादें क्रिकेट से जुड़ने लगीं। तब मैं पुणे में स्कूली विद्यार्थी था और क्रिकेट का शौक उन दिनों भी था। उस वक्त टेस्ट मैच और रणजी ट्रॉफी ही क्रिकेट के मुख्य प्रारूप थे।

टेस्ट मैच खेलने वाले देशों में इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, भारत, वेस्ट इंडीज और पाकिस्तान थे। टेस्ट मैच पांच दिन चलता और बीच में एक दिन आराम का होता। उन वक्त के चोटी के क्रिकेट खिलाड़ी आज की किंवदंतियां हैं और यदि मेरी याद्दाश्त सही है तो वे सब शौकिया खिलाड़ी ही थे। वे आजीविका के लिए किसी सरकारी या निजी संस्थान में नौकरी किया करते थे। गिनाने को बहुत नाम याद आ रहे हैं लेकिन किसी और दुनिया की यह सूची लंबी हो जाएगी। यह 1970 का दशक था, जब हमें पहली मर्तबा ऑस्ट्रेलिया के चैनल नाइन के अरबपति मालिक कैरी पैकर द्वारा शुरू किए गए नई किस्म के सीमित ओवरों वाले एक दिवसीय क्रिकेट मैच देखने को मिले और इसकी विश्व सीरीज चली। उस वक्त सोच थी कि पूर्ण कालिक बनने को खिलाड़ियों को माकूल पैसा नहीं मिल पा रहा। साथ ही, कलर टीवी के आने से खेलों से जुड़े टेलीविजन कार्यक्रमों में ज्यादा रुचि जगने लगी, जिससे चाहे-अनचाहे खेल, कंपनियों के प्रायोजन और टेलीविजन के प्रति आसक्ति भरे घालमेल ने जन्म लिया।

गौरतलब है कि एक भी भारतीय खिलाड़ी ने इस सीरीज में भाग नहीं लिया था। यहां मैं सर डोनाल्ड ब्रैडमैन (हालांकि उन्हें खुद को 'सर' कहलवाना पसंद नहीं था) के शब्दों को उद्धृत करूं तो 'कुछ खासियतों को मैंने बहुत सहेज कर रखा और जिन्हें मैं खेल कौशल के साथ जरूरी समझता हूं। वह यह कि एक खिलाड़ी को अपनी जिंदगी इज्जत, ईमानदारी, साहस और शायद सबसे अहम है, नम्रता, के साथ जीनी चाहिए'। ब्रैडमैन खुद ताजिंदगी इन खूबियों की जिंदा मिसाल रहे। लेकिन आज हमें क्या देखने को मिल रहा है? जैसे-जैसे तकनीक विकसित होती गई पिछले कुछ दशकों में तो इसने कुलांचें भरी हैं सबसे बड़ा असर संचार और संप्रेषण के माध्यमों पर पड़ा है। यह सफर अखबारों से शुरू होकर रेडियो-टेलीविजन और वर्तमान में मोबाइल फोन जैसे माध्यम तक आया है, जो अपनी तकनीकी क्षमता की बदौलत हमें वास्तविक समय में खबरें, घटनाएं, वीडियो, फिल्में, पॉडकास्ट इत्यादि की सुविधा मुहैया करवा रहा है। मनोरंजन उद्योग भी कई गुणा बढ़ा है और लोगों का ध्यान खींचने में चैनलों, एप्लीकेशंस, वेबसाइटों को कड़ी टक्कर दे रहा है। व्यू, लाइक, फॉलोअर्स इत्यादि नई शब्दावली ने जन्म लिया है।

बेशक ग्राफिक्स अधिक कल्पनाशील और दिलकश हो रहे हैं, लेकिन नतीजे में दर्शक को बांधे रखने की अवधि न्यूनतम होती जा रही है - क्योंकि उसे तो तुरत-फुरत आनंद चाहिए। पांच दिवसीय क्रिकेट के दिन लद गए या कहें तो 50 ओवर वाला एक दिवसीय मैच भी इतिहास हो चला है। आज तो टी-20 का युग है। कॉर्पोरेट्स के अलावा मीडिया और विज्ञापन बनाने वाले इसे हाथों-हाथ ले रहे हैं। सबसे अहम, दर्शक भी तेज गति के और नस-नस में उत्तेजना भरने वाले इस तमाशे के मुरीद हैं रोमन ग्लैडिएटर्स की भांति आज के क्रिकेटर चौकों-छक्कों से लोगों को रोमांच से भर देते हैं। इस सब में सवाल पैदा होता है क्या यह क्रिकेट है? बीसीसीआई दिनोदिन अमीर होती चली गई और आईपीएल की बोली में दुनियाभर के क्रिकेटर अपनी कीमत लगवा रहे हैं। राजनेताओं द्वारा संचालित बीसीसीआई विश्व में सबसे ज्यादा धनी क्रिकेट बोर्ड है और क्रिकेटर और खेल आयोजकों पर खुलकर खर्च करने की हैसियत रखता है। जैसे प्राचीन काल में कभी दासों की मंडी लगा करती थी, आज क्रिकेट खिलाड़ियों की बोली लगती है और बोलीदाता फ्रेंचाइजी मालिक हैं। इस सब में, किसी की व्यक्तिगत या क्रिकेट की गरिमा कहां रह गई? जब आप किसी फ्रेंचाइजी के लिए वस्तु बन गए तो वह जैसे चाहे इस्तेमल करेगा या नहीं?

आईपीएल बोली से अपना नाम वापस लेने के बाद ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने गार्जियन अखबार को कहा 'लेकिन यह करके मैंने खुद को ऐसी स्थिति में रखना चाहा है ताकि ऑस्ट्रेलिया के लिए अपना सर्वोत्तम क्रिकेट दे सकूं... मुझे इसका कोई अफसोस नहीं, पैसा आता-जाता रहेगा, लेकिन जो मौका मिला (राष्ट्रीय टीम में), उसके लिए बहुत शुक्रगुजार हूं। पिछले 100 सालों के टेस्ट क्रिकेट इतिहास में 500 से कम खिलाड़ी हैं, जिन्हें ऑस्ट्रेलिया की टीम में खेलने का मौका मिला है। इसका हिस्सा बनना अपने आप में बहुत खास है।' धनी बीसीसीआई चाहती तो सभी राज्यों में क्रिकेट एकेडमियां शुरू करती, जहां पर उभरते युवा खिलाड़ियों में कौशल और ऐसे मूल्य भरे जाते जो किसी को न केवल महान खिलाड़ी बल्कि विनम्र इंसान बनाने लिए जरूरी हैं।

बच्चे अक्सर खाने को लेकर आनाकानी करते हैं। घर पर होने पर अभिभावक बच्चों को समझाकर खाना खिला देते हैं लेकिन जब बच्चा स्कूल जाता है तो माता पिता लंच के समय उनके साथ नहीं होते हैं। सुबह उठकर मां बच्चे के लिए नाश्ता और लंच बॉक्स पैक करती हैं। उत्साह के साथ मां बच्चे के लिए टिफिन पैक करती हैं, जब बच्चे उसे उतने उत्साह से नहीं खाते और लंच वापस आ जाता है। वैसे तो हर मां अपने बच्चे के लिए लंच में स्वादिष्ट व्यंजन पैक करती हैं, लेकिन कई बार गलत चीजें टिफिन में पैक करने से बच्चे लंच को मन से नहीं खाते हैं। ऐसे में हर अभिभावक को बच्चे के लिए स्कूल टिफिन पैक करते समय कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए। भूल से भी टिफिन में ऐसी पांच चीजें न रखें जो बच्चे की भूख को ही खत्म कर दें या उनकी सेहत के लिए नुकसानदायक बन जाएं।

भूलकर भी न रखें बच्चे के टिफिन में ये चीजें

मैगी

स्कूल के लिए बच्चे का टिफिन पैक कर रहे हैं तो मैगी लंच बॉक्स में न रखें। भले ही बच्चे मैगी खाना पसंद करते हैं। लेकिन मैगी सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकती है। साथ ही ब्रेकफास्ट और लंच के बीच तीन से चार घंटे का समय होता है। इतनी अवधि में बच्चे काफी भूखे हो जाते हैं। ऐसे में मैगी कुछ वक्त के लिए तो उनकी भूख खत्म कर देगी लेकिन जल्द ही उन्हें फिर से भूख लग जाएगी। टिफिन में रखी मैगी लंच तक ठंडी हो जाती है, और इस तरह का खाना ठंडा अच्छा नहीं लगता है।

रात का खाना

अक्सर मां रात में बची सब्जी या खाने को सुबह जल्दी के कारण या फिर बच्चे का पसंदीदा होने के कारण टिफिन में पैक कर देते हैं। लेकिन टिफिन में रात का बचा खाना न पैक करें। गर्मी के दिन हैं, लंच के समय तक व्यंजन का स्वाद और पौष्टिकता खत्म हो जाती है। साथ ही खाना खराब होने की भी संभावना रहती है। इससे फूड पॉइजनिंग भी हो सकती है। और इससे बच्चों की तबीयत बहुत ज्यादा खराब हो सकती है ।

दूध

बच्चे के लंच के लिए बोतल में दूध पैक करके न दें। रखा हुआ दूध सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकता है। सुबह से ही बंद डिब्बे में पैक दूध का स्वाद और पौष्टिकता खत्म हो सकती है। स्कूल में दूध का सेवन असुविधाजनक भी हो सकता है। हमारे रोजमर्रा के जीवन में दूध हमारे भोजन का एक अहम हिस्सा है। दूध को संपूर्ण आहार माना जाता है क्योंकि दूध में प्रोटीन, कैल्शियम, पोटेशियम और विटामिन पर्याप्त मात्रा में पाए जाते हैं।

अधिक तला-भुना खाना

अधिक तला भुना खाना सेहत के लिए नुकसानदायक होता है। तैलीय खाने में पौष्टिकता न के बराबर होती है। वसा की मात्रा अधिक होने से बच्चे को स्वास्थ्य समस्या हो सकती है। वहीं अधिक तैलीय भोजन खाते समय बच्चे की यूनिफार्म भी गंदी हो सकती है।

कटे हुए फल

फल सेहत के लिए फायदेमंद है, लेकिन अगर लंच बॉक्स में फल पैक करके दे रही हैं तो कुछ फलों को काटकर न रखें। जैसे सेब, केला या अंगूर जैसे फलों को काटकर टिफिन में पैक नहीं करना चाहिए। दरअसल कटे हुए फलों को स्टोर करने से उनमें मौजूद पोषक तत्वों में कमी आ सकती है और स्वास्थ्य के लिए यह उतने फायदेमंद नहीं रह पाते हैं।

हंसना मना है

पोता- दादी आपने कौन-कौन से देश घूमे हैं? दादी- अपना पूरा हिंदुस्तान, पाकिस्तान, अफ़गानिस्तान , उजेबिस्तान, पोता- अब कौन सा घूमोगी, पीछे से छोटा पोता बोला.. कब्रिस्तान, दे चप्पल-दे चप्पल, कमर लाल कर दी..

एक युवती ने अपना मंगेतर सहेली को दिखाया तो वो बोली- 'लड़का तो ठीक-ठाक है, पर जब हंसता है तो इसके दांत बिलकुल भी अच्छे नहीं लगते।' युवती बोली- 'वैसे भी मैं शादी के बाद इसे हंसने का मौका ही कब दूंगी।'

मैडम दूध वाले से-छोरे पैंतीस साल का होने को आया, अब तो शादी करले! दूध वाला- नहीं नहीं! मैडम..क्यों? क्या हुआ? दूधवाला-मैं रोज सुबह पांच बजे उठ कर घरों में दूध देने जाता हूं, उस वक्त इन औरतों का ओरिजिनल चेहरा देख कर मेरी तो शादी करने कि हिम्मत ही नहीं होती।

मस्त जिंदगी किसे कहते हैं? खाने को रोज थाली हो, दो टाइम की कामवाली हो, पड़ोसन नखरे वाली हो, सुन्दर सी 1 साली हो और घरवाली का दिमाग खाली हो।

कहानी | कौए ने पाई नकल की भीषण सजा

एक पहाड़ की ऊंची चोटी पर एक गरुड़ रहता था। उसी पहाड़ की तलहटी में एक विशाल वृक्ष था, जिस पर एक कौआ अपना घोंसला बनाकर रहता था। तलहटी में आस-पास के गांवों में रहने वाले पशु पालकों की भेड़-बकरियां चरने आया करती थीं। जब उनके साथ उनके मेमने भी होते तो गरुड़ प्राय: उन्हें अपना शिकार बना लेता था। चूंकि गरुड़ विशाल पक्षी होता है और उसकी शक्ति अधिक होती है, इसलिए वह ऐसा आसानी से कर लेता था। कौआ प्राय: यह दृश्य देखता था कि जैसे ही कोई मेमना नजर आया कि गरुड़ अपनी चोटी से उड़ान भरता और तलहटी में जाकर मेमने को झपट्टा मारकर सहज ही उठा लेता। फिर बड़े आराम से अपने घोंसले में जाकर उसे आहार बनाता। कौआ रोज यह देखता और रोमांचित होता। रोज देख-देखकर एक दिन कौए को भी जोश आ गया। उसने सोचा कि यदि गरुड़ ऐसा पराक्रम कर सकता है तो मैं क्यों नहीं कर सकता? आज मैं भी ऐसा ही करूंगा। वह तलहटी पर चौकन्ना होकर निगाह रखने लगा। कुछ देर बाद कौए ने एक मेमने को तलहटी में घास खाते हुए देखा। उसने भी गरुड़ की ही तरह हवा में जोरदार उड़ान भरी और आसमान में जितना ऊपर तक जा सकता था, उड़ता चला गया। फिर तेजी से नीचे आकर गरुड़ की भांति झपट्टा मारने की कोशिश की, किंतु इतनी ऊंचाई से हवा में गोता लगाने का अभ्यास न होने के कारण वह मेमने तक पहुंचने की बजाए एक चट्टान से जा टकराया। उसका सिर फूट गया, चोंच टूट गई और कुछ ही देर में उसकी मृत्यु हो गई।

कथा का सार- अपनी स्थिति और क्षमता पर विचार किए बिना किसी की नकल करने के विपरीत परिणाम भुगतने पड़ते हैं। इसलिए सदैव अपनी मौलिकता में रहें और विवेकयुक्त अनुकरण करें।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज आपका पारिवारिक जीवन सुख और शांति से भरा रहेगा जिसका आप पूरा आनंद उठाएंगे। आज अपनी रचनात्मक प्रतिभा का सही इस्तेमाल करें।

वृषभ

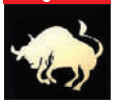

मां की स्वास्थ्य-स्थिति आपको चिंतित रखेगी और आपके बच्चे भी सेहत अच्छी नहीं हो सकती है लेकिन आज का दिन आपकी भौतिक समृद्धि के लिए बहुत ही शुभ है।

मिथुन

आज का दिन बहुत ही बढ़िया रहने वाला है। आज आपको पहले मिले लक्ष्यों को पूरा करने में बड़े भाई का सहयोग प्राप्त होगा। सैलरी बढ़ने का योग बन रहा है।

कर्क

आज आप में से कुछ अच्छे संपर्क विकसित करेंगे और लाभकारी सौदे करेंगे। छोटे भाई-बहनों को जीवन में बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है।

सिंह

आज का दिन आपके लिए विशेष रूप से अच्छा है। आप अपना कुछ नया शुरु कर सकते हैं, पेंडिंग में रखा हुआ कोई काम पूरा कर सकते हैं।

कन्या

आज पारिवारिक-जीवन में अस्थिरता रह सकती है। आपका अपने माता-पिता के साथ कुछ वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। प्रेम-संबंधों के लिए समय शुभ है।

तुला

आज का दिन सामान्य रहने वाला है। आज किसी नई नौकरी की पेशकश आपके रास्ते में आने की संभावना बन रही है। पार्टनर से सहयोग मिलने के योग बन रहे हैं।

वृश्चिक

आपके नाम और प्रसिद्धि में वृद्धि होगी और आपको प्रभावशाली व्यक्तियों से प्रचुर लाभ प्राप्त हो सकता है। आप में से कुछ पदोन्नति प्राप्त कर सकते हैं।

धनु

आज आपका रूझान अध्यात्म की तरफ अधिक रहेगा। घर में धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन हो सकता है। परिवार में सुख और शांति बनी रहेगी।

मकर

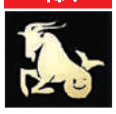

आप अपने सभी प्रयासों में सफल होंगे और प्रभावशाली स्थिति की ओर बढ़ेंगे। आपकी कुछ पोषित इच्छाओं की पूर्ति होगी और आपके पास नए अधिग्रहण हो सकते हैं।

कुम्भ

आज का दिन व्यस्तता में बीतेगा। आपकी सोच और प्लानिंग साफ रहेगी। अपनी बातचीत और तर्कों से किसी को भी सहमत कराने में आप सफल हो सकते हैं।

मीन

छात्र पढ़ाई में अपना सर्वश्रेष्ठ देंगे और अपनी शैक्षणिक गतिविधियों में अधिक से अधिक ऊंचाइयों को प्राप्त करेंगे। व्यवसाय आपके लिए अपेक्षित लाभ नहीं ला पायेगा।

बॉलीवुड | मन की बात

बुड्ढी आंटी कहने वालों को रत्ना पाठक शाह ने दिया मुंहतोड़ जवाब

रत्ना पाठक शाह और सुप्रिया पाठक ने अपनी एक्टिंग से लोगों का दिल जीता है। दोनों बहनों ने कहा कि कला को किसी की उपस्थिति तक सीमित नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि दोनें उम्र की परवाह किए बिना, अपना अभिनय करना जारी रखती हैं। रत्ना ने यह भी बताया कि उन्हें अपने करियर के इस पड़ाव पर अधिक सफलता मिली। इस बातचीत में रत्ना पाठक शाह ने उन लोगों को मुंहतोड़ जवाब भी दिया, जो उन्हें बुड्ढी आंटी कहते हैं। हाल में ही ट्विंकल खन्ना के साथ रत्ना पाठक की बातचीत हुई। रत्ना पाठक शाह ने कहा, एनएसडी से बाहर आने के तुरंत बाद, मुझे एहसास हुआ कि अभिनय कोई चीज नहीं है, जो आप केवल जवान और सुंदर रहते हुए ही कर सकते हैं। एक्ट्रेस ने कहा कि मेरे दिमाग में यह बात अटकी हुई थी, कि एक महिला होने के नाते, आप तब तक अभिनय करती हैं जब तक आप जवान और सुंदर दिखती हैं। फिर मैंने अपने चारों ओर देखा और मैंने कई महिला कलाकारों को देखा जो बुढ़ापे में भी अच्छा काम कर रही थीं। रत्ना पाठक ने कहा कि वह पूरी जिंदगी एक्टिंग करना चाहती हैं, इस बात की चिंता किए बिना कि वह कैसी दिखती हैं। इंडस्ट्री में मौजूद ब्यूटी स्टैंडर्ड्स का हवाला देते हुए वे बोलीं-महिलाएं सुंदर दिखने के इस व्यवसाय में वास्तव में फंस जाती हैं। मैं सेट पर युवा लड़कियों को देखती हूं और कभी-कभी मुझे उनके लिए चिंता होती है। रत्ना पाठक ने अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहा कि यह सच है कि आज मेरी उम्र की एक महिला को काम और दो को सम्मान मिलता है। कोई भी मुझे ओछी दृष्टि से नहीं देखता और कहता है, अरे, बेचारी बुड्ढी जब एक्ट्रेस से यह पूछा गया कि आप उनको क्या कहेंगी जो आपको बुड्ढी या आंटी कहते हैं? एक्ट्रेस ने कहा कि बेटा, तुम भी आ जाओगे। थोड़ा सा रुक जाओ। तुम भी आ जाओगे इसी लाइन पर ।

फिल्म 'स्पाई' का ट्रेलर रिलीज

अब जासूस बनेंगे निखिल

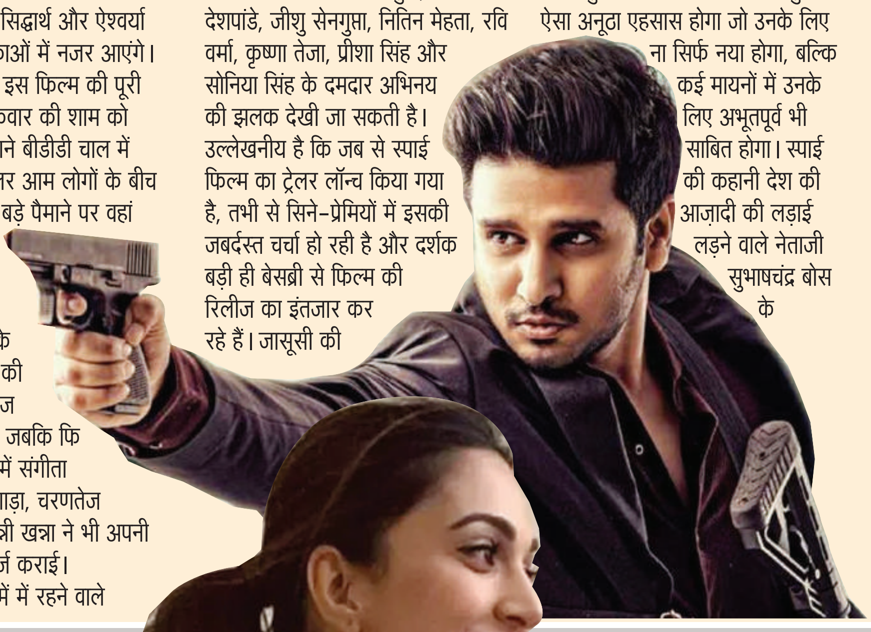

एक्शन से भरपूर फिल्में हमेशा से ही दर्शकों को खूब पसंद आती रही हैं। निखिल सिद्धार्थ की जल्द रिलीज होने जा रही फिल्म स्पाई में ना सिर्फ हैरतअंगेज ऐक्शन की रोमांचकारी झलक देखने को मिलेगी, बल्कि इसमें सस्पेंस, रहस्य और रोमांच का ऐसा अनूठा मिश्रण देखने को मिलेगा कि इसे देखकर दर्शक चकित रह जाएंगे। फिल्म में निखिल सिद्धार्थ और ऐश्वर्या मेनन मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। उल्लेखनीय है कि इस फिल्म की पूरी स्टारकास्ट ने शुक्रवार की शाम को मुम्बई के जाने-माने बीडीडी चाल में स्पाई का हिंदी ट्रेलर आम लोगों के बीच लॉन्च किया जिसे बड़े पैमाने पर वहां एकत्रित हुई मीडिया ने कवर किया?

ट्रेलर लॉन्च के मौके पर बॉलीवुड की और भी कई दिग्गज हस्तियां मौजूद थीं जबकि फिल्म के निर्माताओं में संगीता अहिर, कलापी नगाड़ा, चरणतेज उप्पलपती और सत्री खन्ना ने भी अपनी विशेष मौजूदगी दर्ज कराई।

मामूली घरों में में रहने वाले सिने-प्रेमियों के बीच लॉन्च किये गये स्पाई के ट्रेलर में निखिल सिद्धार्थ, ऐश्वर्या मेनन के अलावा सान्या ठाकुर, मकरंद देशपांडे, जीशु सेनगुप्ता, नितिन मेहता, रवि वर्मा, कृष्णा तेजा, प्रीशा सिंह और सोनिया सिंह के दमदार अभिनय की झलक देखी जा सकती है। उल्लेखनीय है कि जब से स्पाई फिल्म का ट्रेलर लॉन्च किया गया है, तभी से सिने-प्रेमियों में इसकी जबर्दस्त चर्चा हो रही है और दर्शक बड़ी ही बेसब्री से फिल्म की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं। जासूसी की दुनिया को एक अलग अंदाज में पेश करने वाली फिल्म स्पाई के जरिए भारत समेत दुनिया के तमाम दर्शकों को कुछ ऐसा अनूठा एहसास होगा जो उनके लिए ना सिर्फ नया होगा, बल्कि कई मायनों में उनके लिए अभूतपूर्व भी साबित होगा। स्पाई की कहानी देश की आज़ादी की लड़ाई लड़ने वाले नेताजी सुभाषचंद्र बोस के रहस्यमयी ढंग से लापता हो जाने के मिशन के इर्द-गिर्द घूमती है। फिल्म? में निखिल सिद्धार्थ इस पूरे मिशन को लीड करते हुए नज़र आएंगे। फिल्म? में उनका सशक्त अंदाज दर्शकों का दिल जीत लेगा। ट्रेलर के पहले ही फ्रेम से इस बात का अंदाज़ा हो जाता है कि पूरी फिल्म में दर्शकों को किस तरह का रोमांच देखने को मिलने वाला है। फिल्म स्पाई के ट्रेलर में सांस थमा देने वाले ऐक्शन सीन्स, दिलों की धड़कन रोक देने वाली घटनाएं और कहानी में आने वाले एक से बढ़कर एक प्लॉट ट्विस्ट की झलक देखने को मिलती है। ट्रेलर के हरेक सीन में रहस्य और रोमांच की भरपूर झलक देखने? को मिलती है, ऐसा रोमांच जो फ़िल्म देखते वक्त दर्शकों को अपनी सीट से उठने नहीं देगा। ग़ौरतलब है कि फिल्म का नायक इतिहास से जुड़े एक ऐसे रहस्य को उजागर करने के मिशन में लगा हुआ है, जिसके बारे में अब तक किसी ने भी जानने की कोशिश नहीं की है।

किआरा आडवाणी का बेबी बंप देखकर फैंस बोले

प्रेग्नेंट हैं किआरा आडवाणी!

बॉलीवुड | गपशप

किआरा आडवाणी इन दिनों फिल्म सत्यप्रेम की कथा के प्रमोशन पर जुटी हुई हैं। इसी बीच सोशल मीडिया पर वायरल हुई एक्ट्रेस की एक तस्वीर देखकर फैंस ने उनकी प्रेग्नेंसी के कयास लगाने शुरू कर दिए हैं। इस तस्वीर को कार्तिक आर्यन ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है। कार्तिक और किआरा हाल ही में फिल्म प्रमोशन के लिए जयपुर पहुंचे थे। रविवार को कार्तिक ने फिल्म के प्रमोशनल इवेंट से किआरा के साथ एक तस्वीर शेयर की। इसे शेयर करते हुए कार्तिक ने लिखा, 'पक्का? सौ टका! सत्यप्रेम की कथा। 5 दिन बाद..।' तस्वीर में किआरा कोर्ड सेट में नजर आ रही हैं। इसी तस्वीर को देखकर फैंस ने किआरा की प्रेग्नेंसी के कयास लगाने शुरू कर दिए। एक यूजर ने कमेंट कर लिखा, 'क्या सिर्फ मुझे किआरा का बेबी बंप दिख रहा है?' उसे रिप्लाय करते हुए एक यूजर ने लिखा, 'किआरा पक्का प्रेग्नेंट हैं। इवेंट के वीडियोज में भी उनका बंप दिखाई दे रहा है।' किआरा ने इसी साल फरवरी में सिद्धार्थ मल्होत्रा से शादी की है। उन्होंने फ्रेंड्स और फैमिली मेंबर्स की मौजूदगी में राजस्थान में डेस्टिनेशन वेडिंग की थी। समीर विध्वंस निर्देशित फिल्म सत्यप्रेम की कथा 29 जून को रिलीज होनी है। इसे साजिद नाडियाडवाला ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म में कार्तिक-किआरा दूसरी बार एक साथ नजर आने वाले हैं। इससे पहले दोनों 20 मई को रिलीज हुई भूल भुलैया-2 में पहली बार स्क्रीन पर साथ नजर आए थे।

अजब-गजब | गुलाबी शहर की यह खूबसूरती मोह लेगी मन

यहां है भारत का सबसे महंगा होटल, एक रात का किराया जानकर उड़ जाएंगे होश

भारत में एक से बढ़कर एक खूबसूरत होटल स्थित हैं। यह अपनी सुविधाओं और खूबसूरती के लिए पूरी दुनिया में जाने जाते हैं। राजस्थान की राजधानी जयपुर में भी कई होटल मौजूद हैं। गुलाबी शहर के नाम से मशहूर जयपुर में पर्यटकों के लिए कई कई ऐतिहासिक स्थल हैं। इस स्थलों पर पूरे साल दुनियाभर के पर्यटकों की भीड़ लगी रहती है। यहां पर आज भी कई किले और पैलेस मौजूद हैं जिनकी खूबसूरती लोगों को अपनी तरफ आकर्षित करती है। यहां पर कई किलों को होटल्स में बदल दिया गया है।

जयपुर में स्थित होटल्स अपनी बेहतर सुविधाओं और खूबसूरती के लिए प्रसिद्ध हैं। आज हम आपको एक ऐसे ही होटल्स के बारे में बताने वाले हैं, जो अपनी खूबसूरती के लिए दुनियाभर में प्रसिद्ध है। इसके साथ ही माना जाता है कि यह भारत का सबसे महंगा होटल है। जयपुर के रामबाग पैलेस को प्रतिष्ठित ट्रैवल प्लस लेजर इंडियाज बेस्ट अवॉर्ड्स 2021 में बेस्ट लग्जरी होटल का खिताब दिया गया है। यह खूबसूरत महल कभी जयपुर के राजा का निवास स्थान था। साल 1835 में इसका निर्माण कराया गया था। साल 1925 में रामबाग पैलेस जयपुर के महाराजा का हमेशा के लिए निवास स्थान बन गया था। इसके बाद महाराजा सवाई मान सिंह ने साल 1957 में इस महल को आलीशान होटल में बदल दिया था। रामबाग पैलेस 47 एकड़ में बनाया गया है। इसमें कई आलीशान सुईट, मार्बल के गलियारे, हवादार बरामदे और राजसी गार्डन मौजूद हैं। होटल के किराए की बात की जाए, तो इसके अलग-अलग रुम और सुईट का किराया ढाई लाख से 10 लाख रुपए तक है। इसमें एक रॉयल डाइनिंग रूम और एक मास्टर बेडरूम के साथ ड्रेसिंग एरिया भी बना गया है। इसके साथ होटल में एक बड़ा स्विमिंग पूल भी है, जिसमें कई सुविधाएं हैं।

अगर आपको गेम पसंद हैं, तो यहां पर पोलो गोल्फ, जीवा ग्रांडे स्पा, जकूजी, इंडोर, आउटडोर स्विमिंग, वॉकिंग ट्रेल, फिटनेस हब, योग मंडप में योग समेत कई सुविधा मौजूद हैं।

वो स्कूल जहां 470 सालों से नहीं बदली स्टूडेंट्स की यूनिफॉर्म

ब्रिटेन में एक ऐसा स्कूल है, जहां 470 सालों से स्कूल की यूनिफॉर्म नहीं बदली। छात्रों को यही यूनिफॉर्म पहननी होती है। इस स्कूल का नाम है क्राइस्ट हॉस्पिटल बोर्डिंग स्कूल। ये पब्लिक स्कूल है। यहां पर 11 से 18 साल की आयु वाले बच्चे पढ़ते हैं। ये इंग्लैंड में वेस्ट ससेक्स में होरशाम के दक्षिण में है। इस स्कूल की स्थापना 1552 में हुई। हालांकि इसमें सही तरीके से बच्चों का एडमिशन 1553 से शुरू हुआ। इस स्कूल का खर्च पहले पूरी तरह क्राइस्ट हॉस्पिटल उठाता था। इस स्कूल में स्टूडेंट्स का पहला बैच 300 से बच्चों के तौर पर 1553 में रजिस्टर्ड हुआ। स्कूल में शुरू से लड़के और लड़कियां दोनों साथ पढ़ते हैं। यहां से निकलने के बाद यहां के स्टूडेंट्स को सीधे आक्सफोर्ड और कैंब्रिज में पढ़ाई का मौका मिलता है। वैसे इस स्कूल के 470 सालों से कहीं ज्यादा के इस स्कूल के इतिहास में कई बार इस स्कूल की बिल्डिंग को नुकसान पहुंचा है। मूल तौर पर इस स्कूल में गणित और नेविगेशन के लिए बच्चों को ट्रेंड किया जाता था। लेकिन अब यहां कई अलग तरह की शिक्षा दी जाती है, जिसमें आर्ट से लेकर म्युजिक और स्पोर्ट्स भी शामिल है। पहले इस स्कूल का उद्देश्य अच्छा नौसैनिक अफसर और जहाजी तैयार करना होता था। अब एक बढ़िया छात्र। इसको सरकार और राजघराने दोनों से मोटी आर्थिक मदद मिलती है। ये स्कूल 1200 एकड़ में फैला है। इस स्कूल की कई परंपराएं सैकड़ों सालों से चल रही हैं जो कभी नहीं बदलीं। यहां पर लंच से पहले बैंड के साथ परेड होती है जो मंगलवार, गुरुवार और रविवार को छोड़कर रोज होती है अगर मौसम ठीक रहे तो। इस स्कूल की ट्यूडर यूनिफॉर्म में लंबा नीला कोट, पीले मोजे और गले पर सफेद नेक बैंड्स लगाना होता है। ये यूनिफॉर्म यहां 1553 में लागू की गई और अब भी चल रही है। हालांकि गर्मी के दिनों में ये पोशाक बदल जाती है... स्कूल में लड़कियां एक ही कोट पहनती हैं, लेकिन मैचिंग स्कर्ट के साथ। गर्मियों में कोट उतर जाता है। हालांकि इस बीच स्कूल के प्रशासकों के बीच कई बार चर्चा जरूर हुई कि इसकी यूनिफॉर्म को अपडेट कर दिया लेकिन हर बार 95 फीसदी बच्चों ने पोशाक को यही रखने के पक्ष में वोट दिया। निश्चित तौर पर क्राइस्ट्स हॉस्पिटल स्कूल की यूनिफॉर्म दुनियाभर में फेमस है। ये इस ऐतिहासिक स्कूल का सबसे आकर्षक पहलू भी है, जो इसके साथ शुरुआती दिनों से जुड़ा हुआ है। इसमें नीले कोट को काले बेल्ट से कमर पर बांधा जाता है। सभी विद्यार्थियों को निःशुल्क यूनिफॉर्म दी जाती है।

मोदी जी! ऐसे कैसे पहुंचेगा आम आदमी तक विकास

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इंदौर। मप्र में पीएम नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम के लिए आए आयुष्मान कार्ड में ऐसे पते लिखे गए जिनकी तलाश की जा रही है पर वो मिल नही रहे हैं। ज्ञात हो पीएम आयुष्मान भारत योजना की उपलब्धियों को बताएंगे। इस मौके पर मध्यप्रदेश की जनता के लिए एक करोड़ आयुष्मान कार्ड बंटने के लिए आए हैं।

मंगलवार को जोन, वार्ड और पंचायत स्तर पर होने वाले इस लाइव कार्यक्रम में हितग्राहियों को बुलाकर कार्ड दिए जाने की योजना है। हितग्राहियों को घर-घर जाकर कार्यक्रम में बुलाना है लेकिन सिर्फ चार दिन पहले कार्ड आने की वजह से आधे हितग्राहियों तक भी

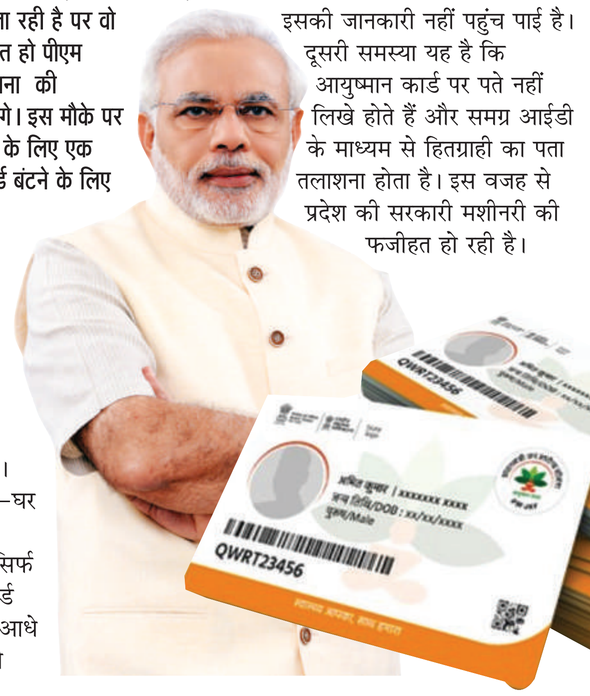

पते मालूम नहीं, आ गए आयुष्मान कार्ड

इसकी जानकारी नहीं पहुंच पाई है। दूसरी समस्या यह है कि आयुष्मान कार्ड पर पते नहीं लिखे होते हैं और समग्र आईडी के माध्यम से हितग्राही का पता तलाशना होता है। इस वजह से प्रदेश की सरकारी मशीनरी की फजीहत हो रही है।

आशा कार्यकर्ता को दी थी जिम्मेदारी

अधिकांश आशा कार्यकर्ता को पांच सौ से दो हजार तक कार्ड देकर कहा गया है कि दो दिन में इन सबके घर तलाशकर इन्हें पीएम मोदी के कार्यक्र म में बुलाना है। दरअसल, प्रदेश के सभी जिलों में भी यह कार्ड चार दिन पहले ही पहुंचाए गए। इसके दो दिन बाद जिलों के अधिकारियों ने आशा कार्यकर्ताओं को यह कार्ड दिए। सभी जिलों में इन आयुष्मान कार्ड के हितग्राहियों तक पीएम के कार्यक्रम का निमंत्रण एक दिन पहले तक पहुंच जाना था। अधिकांश जगह इनमें से आधे हितग्राही तक भी जानकारी नहीं पहुंच पाई है। अब आशा कार्यकर्ता इसलिए परेशान हैं कि एक दिन में हजारों लोगों के घर जाकर वह कैसे कार्यक्रम में आने का निमंत्रण दे पाएंगी। इंदौर में आए सवा दो लाख आयुष्मान कार्ड में से एक दिन पहले तक सिर्फ 70 हजार हितग्राहियों के घर ही तलाश किए जा सके हैं।

समग्र आईडी से निकाले जा रहे पते

नियम अनुसार आयुष्मान कार्ड पर पता नहीं लिखा होता है। इसी वजह से हितग्राहियों को तलाश करने में अधिकारी परेशान हो रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग, नगर निगम के अधिकारी इन कार्ड पर लिखे समग्र आईडी के माध्यम से इन हितग्राहियों को तलाश कर रहे हैं। इसी समग्र आईडी की मदद से आशा कार्यकर्ता भी हितग्राहियों का पता निकाल रही हैं और सही पते पर कार्ड पहुंचाने का प्रयास कर रहीं हैं।

लाइव कार्यक्रम में जोड़ने का आदेश

प्रदेश में नगर निगम के सभी जोन, पंचायत और स्वास्थ्य केंद्रों पर हितग्राहियों को पीएम मोदी के कार्यक्रम से जोड़ने का आदेश आया है। इंदौर में कलेक्टर, नगर निगम कमिश्नर और स्वास्थ्य विभाग समेत कई अन्य विभागों इस कार्यक्रम को सफल बनाने की जिम्मेदारी दी गई है। प्रदेशभर में जोन, वार्ड और पंचायत स्तर पर पीएम मोदी के कार्यक्रम का लाइव प्रसारण किया जाएगा। इसमें आयुष्मान कार्ड का लाभ लेने वाले हितग्राहियों की कहानी भी बताई जाएगी। इंदौर में हर जोन पर तीन हितग्राहियों को अपनी कहानी सुनाने के लिए बुलाया जाएगा।

ड्रग्स मामले में भाजपा नेता का बेटा गिरफ्तार

इंदौर। 70 करोड़ के एमडी ड्रग्स मामले में फरार बिलाल खान को इंदौर क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार कर लिया है। बिलाल इंदौर में भाजपा के वरिष्ठ नेता और अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व राज्य मंत्री कमाल खान का बेटा है। बिलाल खान साल 2021 में पकड़ी गई ड्रग्स के मामले में फरार था। पुलिस को बिलाल खान की सरगर्मी से तलाश थी। पुलिस ने उस पर चार हजार का इनाम भी घोषित किया था।

बजरंग दल ने किया प्रदर्शन

बिलाल खान की गिरफ्तारी को लेकर बजरंग दल ने पलासिया चौराहे पर जमकर प्रदर्शन किया था, जिसके बाद बजरंग दल पर लाठीचार्ज भी हुआ था। इस मामले में दो अधिकारियों को गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने लाइन अटैच किया है और पूरे मामले की जांच एडीजी स्तर के अधिकारी करने में जुटे हुए हैं। क्राइम ब्रांच के डीसीपी निमिष अग्रवाल के मुताबिक मुखबिर की सूचना पर आरोपी को छोटी ग्वालटोली थाना क्षेत्र के पास घूमते हुए गिरफ्तार किया गया है। बिलाल खान से पूछताछ की जा रही है।

'आदिपुरुष' के निर्माता को हाईकोर्ट की फटकार

कड़ी टिप्पणी: धार्मिक ग्रंथों को तो बख्श दीजिए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। फिल्म आदिपुरुष में श्रीराम कथा को बदलकर निम्नस्तरीय दिखाने के आरोपों के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने सख्त रुख अपनाया है। सुनवाई के दौरान सोमवार को कोर्ट ने पूछा फिल्म सेंसर बोर्ड क्या दिखाना चाहता है? क्या वह अपनी जिम्मेदारियों को नहीं समझता है?

कोर्ट ने फिल्म निर्माताओं से कहा कि सिर्फ रामायण ही नहीं बल्कि पवित्र कुरान, गुरु ग्रंथ साहिब और गीता जैसे धार्मिक ग्रंथों को तो कम से कम बख्श दीजिए। बाकी जो करते हैं, वो तो कर ही रहे हैं।कोर्ट ने फिल्म के निर्माता, निर्देशक सहित अन्य प्रतिवादियों की कोर्ट में अनुपस्थिति पर भी कड़ा रुख अपनाया और सेंसर बोर्ड से मंगलवार को मामले में जवाब मांगा है। न्यायमूर्ति राजेश सिंह चौहान और न्यायमूर्ति श्रीप्रकाश सिंह की ग्रीष्मावकाश खंडपीठ ने यह आदेश एक जनहित याचिका पर दिया। याची ने फिल्म में रावण द्वारा चमगादड़ को मांस खिलाने, काले रंग की लंका, चमगादड़ को रावण का वाहन बताने, सुषेन वैद्य की जगह विभीषण की पत्नी को लक्ष्मण को संजीवनी बूटी देने, आपत्तिजनक संवाद व अन्य तथ्यों को कोर्ट में रखा है।

मुंतशिर को पक्षकार बनाने पर सुनवाई

याची ने मामले में फिल्म के संवाद लेखक मनोज मुंतशिर को भी पक्षकार बनाने का आग्रह किया है। यह भी कहा कि आपत्तिजनक सामग्री और सनातन आस्था के साथ जानबूझकर किए गए प्रहार को रोकते हुए फिल्म पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के निर्देश दिए जाएं। कोर्ट ने मुंतशिर को पक्षकार बनाने की अर्जी पर सुनवाई के लिए 27 जून की तारीख तय की है।

सपा विधायक अबू आजमी को मिली जान से मारने की धमकी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। समाजवादी पार्टी के विधायक और पार्टी की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष अबू आसिम आजमी को जान से मारने की धमकी मिली है। उन्हें यह धमकी उनके मोबाइल पर वाट्सऐप के जरिए मिली है। अबू आजमी को वाट्सऐप पर एक फोटो भी भेजी गई है, जिसमें उनकी फोटो के अलावा एक खून से सना चाकू और पिस्टल भी बनी हुई है। इसमें आजमी को निशाने पर दिखाया गया है।

धमकी देने वाले ने कहा है कि अबू आजमी के पास अब सिर्फ 3 दिन का समय ही बचा हुआ है। इस घटना के बाद अबू आजमी ने मुंबई के कोलाबा पुलिस स्टेशन में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। हालांकि, यह पहली बार नहीं है, जब अबू आजमी को इस तरह की धमकी मिली है। इससे पहले जनवरी 2023 में भी उन्हें धमकी मिली थी। जानकारी के मुताबिक अबू आजमी के निजी सचिव के नंबर पर धमकी भरा फोन आया और जान से मारने की धमकी दी गई थी।

देश के 20 राज्यों में भारी बारिश की चेतावनी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आसमान से बरस रही आफत का कहर जारी है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने कई राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट जारी कर दिया है। वहीं, पिछले कुछ दिनों से देश के कई राज्य भारी बारिश के कारण बाढ़ का सामना कर रहे हैं। कई इलाकों में आईएमडी ने येलो और ऑरेंज अलर्ट भी जारी किया है।

येलो और ऑरेंज अलर्ट

देश के कई हिस्सों में भारी बारिश का कहर जारी है। आसम और हिमाचल व अरुणाचल प्रदेश में लोगों को बाढ़ का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, महाराष्ट्र, दिल्ली समेत कई राज्यों में भारी बारिश के कारण जलभराव हो गया है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने अगले पांच दिनों के लिए कई राज्यों में भारी बारिश की संभावना जताई है। उत्तराखंड में आसमान बारिश के साथ बिजली भी कहर भी टूट पड़ा। बागेश्वर में बारिश के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से 280 बकरियों की मौत हो गई।

केदारनाथ यात्रा दोबारा हुई शुरू

रुद्रप्रयाग में हो रही तेज बारिश और खराब मौसम के कारण केदारनाथ यात्रा रोक दी गई थी, जिसे दोबारा शुरू कर दिया गया है। हालांकि, मौसम विभाग (देहरादून) ने उत्तराखंड में रेड अलर्ट जारी किया है।

सुतिर्था और अयहिका बनीं महिला युगल चैंपियन

विश्व टेबल टेनिस में जापान की मियु-मिवा को हराया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुतिर्था मुखर्जी और अयहिका मुखर्जी की भारतीय महिला युगल जोड़ी ने को ट्यूनिस में डब्ल्यूटीटी कंटेंडर टूर्नामेंट के फाइनल में जापान की मियु किहारा और मिवा हारीमोटो की जोड़ी को 3-1 से हराकर खिताब अपने नाम किया। सुतिर्था और अयहिका की जोड़ी ने फाइनल में जापानी जोड़ी को 11-5 11-6 5-11 13-11 से मात दी।

भारतीय जोड़ी ने शनिवार को कोरिया की शिन युबिन और जियोन जिही की जोड़ी को सेमीफाइनल में 3-2 (7-11 11-9 11-9 7-11 11-9) से पराजित किया। मनिका बत्रा और

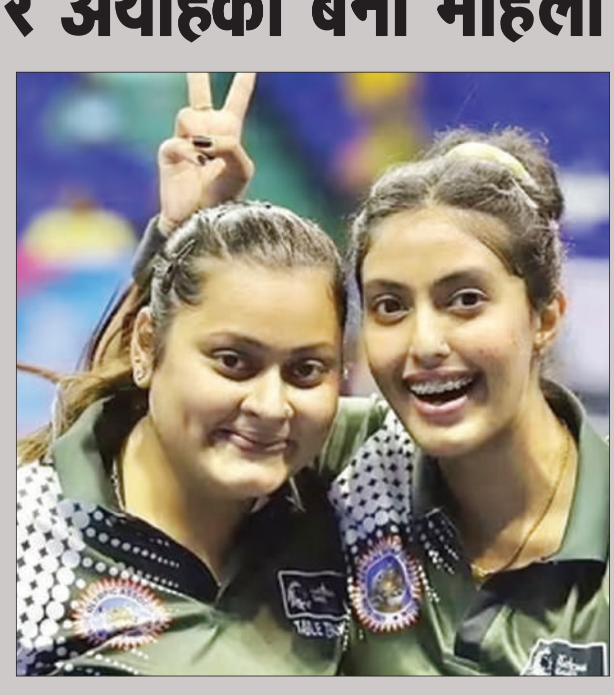

जी साथियान की भारतीय मिश्रित युगल जोड़ी के अलावा मानव ठक्कर और मानुष शाह की पुरुष युगल जोड़ी को शनिवार को अपने अपने सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा था।

भारत के स्पेशल ओलंपिक विश्व खेल में 202 पदक

नई दिल्ली। भारत ने यहां स्पेशल ओलंपिक विश्व खेलों में अपने अभियान का अंत 76 स्वर्ण सहित 202 पदक के साथ किया। प्रतियोगिता के अंतिम दिन भारतीय एथलीटों ने ट्रैक स्पर्धाओं में दो स्वर्ण, तीन रजत और एक कांस्य पदक से कुल छह पदक जीते। बर्लिन। भारत ने यहां स्पेशल ओलंपिक विश्व खेलों में अपने अभियान का अंत 76 स्वर्ण सहित 202 पदक के साथ किया। रविवार को प्रतियोगिता के अंतिम दिन भारतीय एथलीटों ने ट्रैक स्पर्धाओं में दो स्वर्ण, तीन रजत और एक कांस्य पदक से कुल छह पदक जीते। आंचल गोयल ने महिलाओं की लेवल बी 400 मीटर दौड़ और रविमति अरुमुगम ने महिलाओं की लेवल सी 400 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीते। भारत ने इन खेलों में 76 स्वर्ण, 75 रजत और 51 कांस्य पदक जीते। भारतीय दल में 198 खिलाड़ी और यूनीफाइड साझेदार शामिल थे जिन्होंने 16 खेलों में हिस्सा लिया।

पुरानी पेंशन बहाली को लेकर सड़क पर कर्मचारी

» हुंकार रैली में दी सरकार को चेतावनी, केंद्रीय कर्मचारी और पेंशनर भी जुटे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

फोटो: सुमित कुमार

लखनऊ। पुरानी पेंशन बहाली को लेकर यूपी की योगी सरकार के खिलाफ राज्य कर्मचारियों ने बड़ी रैली की है। इस हुंकार रैली में राज्य कर्मियों के साथ केंद्रीय कर्मी व पेंशनर्स भी साथ आ गए हैं। मंगलवार को चारबाग रेलवे स्टेडियम में एक लाख कर्मचारी हुंकार रैली में जुटे। इसमें रेलवे, डाक, पीडब्लूडी, शिक्षा, विद्युत सहित तमाम विभागों के कर्मचारी भी शमिल हो रहे हैं।

ऑल इंडिया रेलवे फेडरेशन एआईआरएफ के महामंत्री शिवगोपाल मिश्र हुंकार रैली का नेतृत्व करेंगे। जनपदीय रथयात्रा के बाद पुरानी पेंशन बहाली संयुक्त मंच की प्रस्तावित हुंकार महारैली में प्रदेश भर से आ रहे कर्मचारियों के वाहनों के लिए तीन पार्किंग स्थल बनाए है। पानी के साथ भोजन की व्यवस्था भी की जा रही है। महारैली की व्यवस्थाओं की समीक्षा केन्द्र और राज्य कर्मचारी संगठन तीन स्तर पर कर रहे है। केन्द्र और राज्य कर्मचारी संगठनों ने इस रैली में एक लाख तक की संख्या में केन्द्र एवं राज्य कर्मचारियों का अनुमान है। इस महारैली के दौरान केन्द्र स्तर पर दिल्ली में किसी वृहद आन्दोलन की घोषणा होगी। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के अध्यक्ष इं. हरिकिशोर तिवारी, उप्र प्रदेशीय प्रथिमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष सुशील पांडेय, योगेश त्यागी अध्यक्ष उ.प्र. जू. हा. स्कूल शिक्षक संघ,इं. राकेश त्यागी अध्यक्ष व जीएन सिंह महासचिव डिप्लोमा इंजीनियर्स महासंघ, सुशील त्रिपाठी अध्यक्ष उप्र मिनीस्टिरियल कलेक्ट्रेट संघ आदि हुंकार रैली को सम्बोधित करेंगे।

सुरक्षाबलों ने किया कश्मीर में एक आतंकी ढेर

» कुलगाम में मुठभेड़, पुलिस का एक जवान घायल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। कुलगाम जिले के हुवरा इलाके में देर रात मुठभेड़ शुरू हो गई है। ऑपरेशन के दौरान जम्मू कश्मीर पुलिस का एक जवान जख्मी हो गया। उसे उपचार के लिए स्थानीय अस्पताल ले जाया गया। वहीं, एक आतंकी को सुरक्षाबलों ने ढेर कर दिया है। एक अधिकारी ने बताया कि हुवरा गांव में आतंकियों के मौजूद होने की सूचना मिली थी। पूरे इलाके को सुरक्षाबलों ने घेर लिया गया।

इसके बाद बाद संयुक्त तलाशी अभियान चलाया गया। जब सुरक्षाबल एक ठिकाने के पास पहुंचे तो उन पर फायरिंग शुरू हो गई। जवाबी कार्रवाई करते हुए सुरक्षाबलों ने एक ठिकाने को घेर लिया है। फायरिंग में जम्मू कश्मीर पुलिस का एक जवान घायल हो गया। उसे उपचार के लिए स्थानीय अस्पताल ले जाया गया है।

आतंकियों की तलाश से बड़े स्तर में अभियान चलाया गया। मौके पर अतिरिक्त सुरक्षाबलों को लगाया गया। ऑपरेशन के दौरान एक आतंकी को मार गिराया गया। उसके पास से हथियार और गोला-बारूद सहित आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई है। अभी सर्च ऑपरेशन जारी है। इससे पहले 25 जून को पुंछ एलओसी पर सेना ने घुसपैठ की कोशिश को नाकाम बनाते हुए तीन घुसपैठिए को मार गिराया।

सरकार और सुरक्षा एजेंसियों की कोशिश नाकाम

» मणिपुर हिंसा रोकने के लिए सेना ने आम लोगों से मांगा समर्थन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मणिपुर। हिंसाग्रस्त राज्य मणिपुर में सरकार और सुरक्षा एजेंसियों की तमाम सख्तियों के बावजूद हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही है। खुद भारतीय सेना और सरकार की मानें तो हालात में कोई सुधार होता हुआ नहीं दिख रहा है। अब हिंसा को रोकने के लिए सेना ने आम लोगों से उनका साथ देने की अपील की है। भारतीय सेना ने हिंसा प्रभावित मणिपुर में शांति और सामान्य स्थिति बहाल करने के लोगों से उनके प्रयासों का समर्थन करने का आग्रह किया है।

सेना ने कहा कि महिला कार्यकर्ता जानबूझकर पूर्वोत्तर राज्य में मार्गों को अवरुद्ध कर रही हैं और सुरक्षा बलों के अभियानों में हस्तक्षेप कर रही हैं। इसने ट्विटर पर ऐसे उदाहरणों को उजागर करते हुए एक वीडियो साझा किया, जिसमें पिछले सप्ताह का गतिरोध भी शामिल है। जब सेना को - मणिपुर के इथम गांव में 1,200 लोगों की महिलाओं के नेतृत्व वाली भीड़ से घिरे होने के बाद -नागरिकों की जान बचाने के लिए 12 उग्रवादियों को छोड़ना पड़ा।

जानबूझकर मार्गों को अवरुद्ध कर रहीं महिला कार्यकर्ता

भारतीय सेना के स्पीयर कोर ने एक ट्वीट में कहा, मणिपुर में महिला कार्यकर्ता जानबूझकर मार्गों को अवरुद्ध कर रही हैं और सुरक्षा बलों के संचालन में हस्तक्षेप कर रही हैं। इस तरह का अनुचित हस्तक्षेप जीवन और संपत्ति को बचाने के लिए गंभीर परिस्थितियों के दौरान सुरक्षा बलों द्वारा समय पर प्रतिक्रिया के लिए हानिकारक है, भारतीय सेना आबादी के सभी वर्गों से शांति बहाल करने के हमारे प्रयासों का समर्थन करने की अपील करती है।

कर्मचारियों को चेतावनी काम नहीं तो पैसा नहीं

वहीं दूसरी तरफ हिंसा के चलते सरकारी संस्थानों में कोई भी कर्मचारी काम पर नहीं लौटा है। अब ऐसे लोगों के खिलाफ सरकार सख्त हो गई है और उसने नो वर्क-नो पे का व्हिप जारी कर दिया है। अब से जो भी सरकारी कर्मचारी अपनी ड्यूटी पर नहीं लौटता है सरकार उसको उस दिन का पैसा नहीं देगी, अगर तन्ख्वाह चाहिए तो आपको काम पर लौटना ही लौटना पड़ेगा। जानकारी के मुताबिक लगभग एक लाख से अधिक लोगों पर इस फैसले का असर पड़ेगा, क्योंकि इतने लोग हिंसा शुरू होने के बाद से काम पर वापस नहीं लौटे हैं।

फोटो: 4 पीएम

लोकार्पण मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोकभवन में भारतीय पैकेजिंग संस्थान के साथ एम.ओ.यू. एवं जी.आई. पंजीकरण प्रमाण पत्रों का वितरण व गोबर से बायोगैस प्लांट का लोकार्पण किया, इस दौरान उपस्थित लोगों को संबोधित भी किया।

पांच अक्टूबर से होगा क्रिकेट के महाकुंभ का आगाज

» 15 अक्टूबर को होगा भारत और पाक का महामुकाबला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आईसीसी ने मंगलवार को आईसीसी वनडे वर्ल्ड कप 2023 के कार्यक्रम की घोषणा कर दी है। भारत इस पूरे टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा, जिसकी शुरुआत 5 अक्टूबर से होगी। वनडे वर्ल्ड कप का फाइनल मुकाबला 19 नवंबर को खेला जाएगा।

भारतीय टीम का पहला मुकाबला ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 8 अक्टूबर को चेन्नई में होगा। भारत और पाकिस्तान के बीच बहुप्रतीक्षित मुकाबला 15 अक्टूबर को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम पर खेला जाएगा। इस मैच में 1 लाख से ज्यादा दर्शक स्टेडियम में मौजूद रहेंगे।

12 शहरों में खेले जायेंगे विश्वकप के सभी मुकाबले

विश्व कप 2023 के सभी मुकाबले 12 शहरों पर खेले जाएंगे। इन शहरों में चेन्नई, बेंगलुरु, हैदराबाद, तिरुवंतपुरम, मुंबई, अहमदाबाद, पुणे, लखनऊ, दिल्ली, गुवाहाटी, कोलकाता और धर्मशाला का नाम शामिल है। इसके साथ ही ये माना जा रहा है कि टूर्नामेंट का पहला मुकाबला डिफेंडिंग चैंपियन इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच खेला जाएगा। वर्ल्ड कप के दौरान तीन मुकाबले हैदराबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम पर खेले जाएंगे। मगर भारतीय टीम यहां अपना एक भी मैच नहीं खेलेगी। भारत का पहला मुकाबला ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 8 अक्टूबर को चेन्नई में होगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।